E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 89 | गुवाहाटी | सोमवार, 28 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बांग्लादेश से घुसपैठ रोके बिना प. बंगाल में नहीं आएगी शांति : अमित शाह — पेज 2

ऊपरी असम में उल्फा-स्वा के खिलाफ जोरदार अभियान — पेज 3

तीन आपराधिक कानूनों में बदलाव औपनिवेशिक मानसिकता से... — पेज 5

ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे दौरे के लिए पाकिस्तान टीम की घोषणा — पेज 7

असम कैबिनेट का बड़ा फैसला

राज्य सरकार ने कर्मचारियों के डीए में की बढ़ोतरी

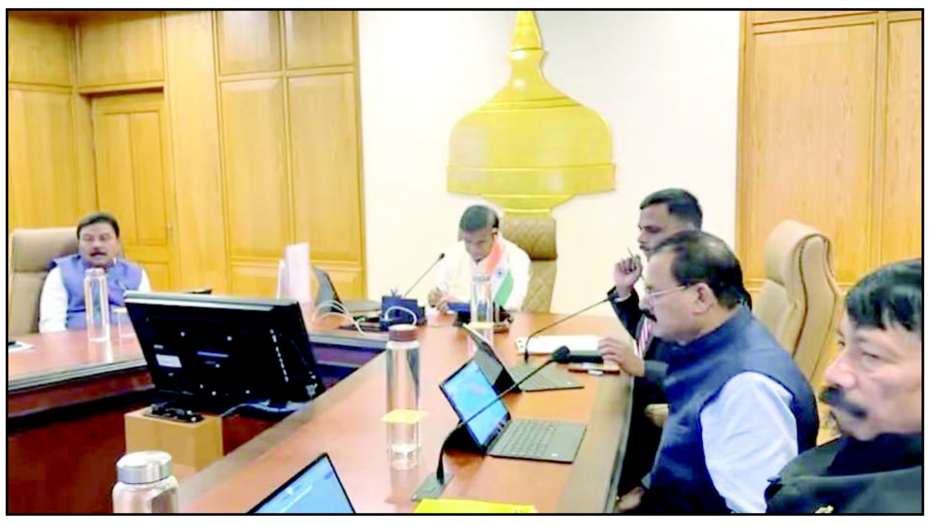

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में आज हुई असम मंत्रिमंडल की बैठक दिवाली पर राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए कई खुशखबरी लेकर आई है। मंत्रिमंडल ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ता में तीन प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। तदनुसार, जिन कर्मचारियों को 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा था, उन्हें दिसंबर से तीन प्रतिशत की वृद्धि के साथ 53 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) मिलेगा। आज मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा लोक सेवा भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीए इस साल जुलाई से मिलने लगेगा। नतीजतन, राज्य कर्मचारियों को अब चार महीने का एरियर मिलेगा। बकाया राशि का भुगतान चार किस्तों में किया जाएगा, जिसमें दिसंबर में 25 प्रतिशत, जनवरी में 25 प्रतिशत, फरवरी में 25 प्रतिशत तथा मार्च में 25 प्रतिशत का भुगतान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य कर्मचारियों को दिवाली के अवसर पर 28 अक्तूबर को वेतन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम चाय बागान भविष्य निधि योजना के तहत 15 हजार रुपए से अधिक कमाने वाले कर्मचारी या श्रमिक को भविष्य निधि से कटौती नहीं होती थी। आज कैबिनेट ने निर्णय लिया कि वेतन या मजदूरी की परवाह किए बिना सभी कर्मचारी और श्रमिक पीएफ में शामिल किये जाएंगे। कैबिनेट ने नाबार्ड की 97 सड़क परियोजनाओं और 70 लघु सिंचाई परियोजनाओं को भी मंजूरी दी। 36 सरकारी इंजीनियरों की भर्ती करने का भी निर्णय लिया गया, जो पहले लोक निर्माण विभाग में काम कर रहे थे, लेकिन एपीएससी में चयनित नहीं हुए थे, ताकि वे काम करना जारी रख सकें। नवगठित तामुलपुर जिले में आज चुनाव विभाग का गठन किया गया। विभिन्न सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में दवाओं की खरीद के लिए 175 करोड़ रुपए का अनुमोदन दिया गया। कैबिनेट ने असम पुलिस मैत्री योजना के लिए 150 करोड़ रुपए को भी मंजूरी दी। कैबिनेट ने नुमलीगढ़ रिफाइनरी में एक परियोजना में 205 करोड़ रुपए का निवेश करने का भी फैसला किया, जिसमें राज्य सरकार की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदू नहीं रोहिंग्या मुसलमान ही सीमा पार कर आ रहे हैं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रंस की। इस दौरान सीएम ने राज्य की सुरक्षा को लेकर कई अहम बातों पर चर्चा की। सीएम ने कहा कि पिछले दो महीनों में हर दिन हमने एक या पूरे विदेशी ग्रुप को अपने राज्य में पकड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि बांग्लादेश और भारत की सीमा करीब होने की वजह से कुछ लोग हमारे देश में आ रहे हैं। सीएम ने साथ ही कहा कि बीएसएफ की लगातार कोशिश के बाद भी, बांग्लादेश के कुछ लोग हमारे देश में आ रहे हैं। इस सिलसिले में राज्य सरकार को बहुत अहम भूमिका निभानी होगी। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम के पड़ोसी राज्य त्रिपुरा ने भी कुछ विदेशियों की पहचान की है और असम भी विदेशियों की पहचान कर रहा है। सीएम ने आगे कहा, लेकिन हमारी लाख कोशिशों के बावजूद भी विदेशी लोग देश -शेष पृष्ठ दो पर

हरित ईंधन : सरकार रिलायंस के साथ एमओयू को तैयार

गुवाहाटी। असम सरकार ने राज्य में बायो-गैस संपीड़ित उद्योग को बढ़ावा देने और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए रिलायंस बायो-एनर्जी लिमिटेड के साथ आगामी समझौता ज्ञापन (एमओयू) की घोषणा की है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद बताया कि इस साझेदारी का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता और प्रदूषण को कम करना तथा किसानों के लिए रोजगार और आय के अवसरों को बढ़ाना है। शर्मा ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के तहत, रिलायंस बायो-एनर्जी असम में एकीकृत संपीड़ित बायो-गैस बुनियादी -शेष पृष्ठ दो पर

भाषाई विविधता का सम्मान करने के लिए भाषा गौरव सप्ताह मनाया जाएगा : सीएम

गुवाहाटी। असमिया को *शास्त्रीय भाषा* का दर्जा दिए जाने के उपलक्ष्य में 3 नवंबर से शुरू होने वाला *भाषा गौरव सप्ताह* न केवल असमिया को सम्मानित करेगा, बल्कि राज्य में बोली जाने वाली 14 अन्य भाषाओं का भी सम्मान करेगा। रविवार को कैबिनेट की बैठक के बाद इसकी जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य भर के लोगों को इस समारोह में भाग लेने तथा अपनी भाषाई विरासत पर गर्व करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि भाषा गौरव सप्ताह सिर्फ असमिया का ही उत्सव नहीं है, बल्कि राज्य में बोली जाने वाली 14 अन्य भाषाओं का भी उत्सव है। इनमें बोड़ो, बंगाली, मणिपुरी, नेपाली, संथाली, मिशिंग, कार्बी और डिमासा आदि शामिल हैं। शर्मा ने शैक्षणिक संस्थानों से भी आग्रह किया कि वे उत्सव के दौरान विभिन्न कार्यक्रम -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

व्यसनी व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता।

– **आचार्य चाणक्य**

झारखंड में जीतना चुनौतीपूर्ण है : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए जीत हासिल करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन भाजपा को सत्ता में आने की *उम्मीद* है। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के सह-प्रभारी शर्मा ने यह भी कहा कि वह वहां चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं और असम में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यहां एक -शेष पृष्ठ दो पर

उपराष्ट्रपति कृष्णगुरु अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक युवा समाज के 21वें द्विवार्षिक सम्मेलन में हुए शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में आज यहां खानापाड़ा में कृष्णगुरु अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक युवा समाज के 21वें द्विवार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल आचार्य ने प्रभु ईश्वर कृष्णगुरु की चिरस्थायी विरासत पर जोर दिया, जिन्होंने दशकों पहले असम में आध्यात्मिकता की नींव को मजबूत किया था। राज्यपाल ने कहा कि असम की पवित्र धरती पर प्रभु ईश्वर कृष्णगुरु द्वारा प्रज्ज्वलित आध्यात्मिक प्रकाश अब पूर्वोत्तर सहित पूरी मानवता को प्रकाशित कर रहा है। आचार्य ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पारंपरिकता और आधुनिकता का मिश्रण भारत का शरीर बनाता है, लेकिन आध्यात्मिकता -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने निःशुल्क दवाओं के लिए 175 करोड़ रुपए मंजूर किए

गुवाहाटी। असम सरकार ने 27 अक्तूबर को जन आरोग्य योजना के तहत दवाओं, शल्य चिकित्सा और उपभोग्य सामग्रियों की खरीद के लिए कुल 175 करोड़ रुपए की धनराशि मंजूर करने की घोषणा की। इस निर्णय का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करना तथा राज्य में मरीजों को समय पर एवं किफायती उपचार उपलब्ध कराना है। इस योजना से राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में आवश्यक दवाओं, शल्य चिकित्सा वस्तुओं, उपभोग्य सामग्रियों और लिनेन की निःशुल्क व्यवस्था सुनिश्चित होगी, जिसमें 12 मेडिकल कॉलेजों, राज्य कैंसर संस्थान, क्षेत्रीय दंत चिकित्सा कॉलेज और चाय बागान अस्पतालों में सुपर-स्पेशियलिटी उपचार भी शामिल है। इस बीच, मंत्रिमंडल की बैठक में ऐतिहासिक रास उत्सवों को बढ़ावा देने, उनकी अनूठी विरासत और विकास को समर्थन देने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बांद्रा रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़, नौ लोग घायल, दो की हालत नाजुक

मुंबई। मुंबई के बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर भगदड़ मच गई। लोग ट्रेन में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे, जिससे स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। इस भगदड़ में 9 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से 2 की हालत नाजुक है। सभी घायलों को भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया -शेष पृष्ठ दो पर

इंडोनेशिया के माउंट मारापी में ज्वालामुखी विस्फोट

पडांग। इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक में रविवार को विस्फोट होने से कम से कम तीन बार राख के गुबार उठे और आसपास के गांवों में मलबा फैल गया। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के अगम जिले में स्थित माउंट मारापी में होने वाले विस्फोटों का पूर्वानुमान लगाना कठिन है, क्योंकि वे मैग्मा की गहरी हलचल के कारण नहीं, बल्कि भूगर्भीय -शेष पृष्ठ दो पर

विस चुनाव : महाराष्ट्र, झारखंड चुनाव से पहले इंडिया में खटपट

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के अंदर खटपट की खबरें सामने आ रही हैं। इंडिया गठबंधन के दलों के बीच दोनों राज्यों में सीट बंटवारों को लेकर खींचतान जारी है। महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन में शामिल समाजवादी पार्टी (एसपी) को बड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र में सपा की ओर से मांगी गई तीन सीटों पर कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। दोनों पार्टियों का यह कदम अखिलेश यादव के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इस पर सपा के राष्ट्रीय अखिलेश यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी। अखिलेश यादव के बयान के बाद सपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी। अबू आसिम आजमी ने रविवार को सोशल मीडिया -शेष पृष्ठ दो पर

रूस के जंगलों में गिरा हेलीकॉप्टर, पायलट और डॉक्टरों समेत चार की मौत

मॉस्को। रूस के जंगल में एक हेलीकॉप्टर (एयर एम्बुलेंस) अचानक गिर पड़ा, जिससे पायलट और हेलीकॉप्टर में सवार तीन डॉक्टरों समेत चार लोगों की मौत हो गई। जांच एजेंसियों ने घटनास्थल से जले हुए मलबे को बरामद किया है। मलबा इतनी बुरी तरह जल चुका है कि शवों की पहचान में मुश्किल हो रही है। तीन शव हेलीकॉप्टर के पास और एक अन्य शव काफी दूर पाया गया है। हादसा रूस के जंगलों में हुआ, जो -शेष पृष्ठ दो पर

क्या साल 2025 में आएगी तबाही ?

बाबा वेंगा और नास्त्रेदमस की तीन भविष्यवाणियों ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली। भविष्यवाणी पर आमौतर पर विश्वस न करने की सलाह दी जाती है और इसे अंधविश्वस माना जाता है। हालांकि, कुछ भविष्यवक्ता ऐसे हुए हैं, जिनकी आज के लिए की गई भविष्यवाणियां एकदम सच साबित हो रही हैं। ऐसे में दुनिया को सोचने पर मजबूर कर रही हैं कि क्या उन्होंने वाकई में भविष्य देख लिया था या यह सिर्फ एक महज संयोग है। बाबा वेंगा और नास्त्रेदमस, दो ऐसे ही भविष्यवक्ता -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बांग्लादेश से घुसपैठ रोके बिना प. बंगाल में नहीं आएगी शांति : अमित शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश से होने वाली सीमा पर घुसपैठ को रोके बिना पश्चिम बंगाल में शांति स्थापित नहीं की जा सकती। शाह ने दावा किया कि अगर 2026 में पश्चिम बंगाल में उनकी पार्टी की सरकार आती है, तो अवैध प्रवासन पर पूरी तरह से रोक लगाई जाएगी। गृहमंत्री ने यह बयान भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित पेट्रापोल भूमि बंदरगाह में एक नए यात्री टर्मिनल भवन और कार्गो गेट का उद्घाटन करते हुए दिया। उन्होंने कहा कि इन बंदरगाहों की भूमिका सीमा पर शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण है। गृहमंत्री ने इस दौरान पश्चिम बंगाल की मौजूदा तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए लोगों से 2026 में राजनीतिक बदलाव लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति स्थापित करने में इन बंदरगाहों की अहम भूमिका होगी। गृहमंत्री शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि भूमि बंदरगाह न केवल भारत और बांग्लादेश के बीच संपर्क और संबंध सुधारने में सहायक हैं, बल्कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों को भी मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने में भूमि बंदरगाह अहम भूमिका निभाते हैं। वे बोले जब सीमा पार लोगों की वैध आवाजाही का उचित साधन नहीं होता, तो अवैध तरीकों का उपयोग किया जाता है, जिससे देश की शांति प्रभावित होती है। आगे उन्होंने कहा कि मैं बंगाल के लोगों से 2026 में परिवर्तन लाने का आग्रह करता हूं। भाजपा घुसपैठ पर रोक लगाएगी और राज्य में शांति सुनिश्चित करेगी। बता दें उत्तर 24 परगना जिले में स्थित यह बंदरगाह दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा भूमि बंदरगाह है, जो दोनों देशों के बीच व्यापार और वाणिज्य के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पेट्रापोल-बेनापोल क्रॉसिंग महत्वपूर्ण सीमा क्षेत्रों में से एक है, जहां से दोनों देशों के बीच लगभग 70 प्रतिशत व्यापार होता है। यह भारत का आठवां सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय आव्रजन बंदरगाह भी है, जो सालाना तेईस लाख से अधिक यात्रियों को आवाजाही की सुविधा प्रदान करता है। नए यात्री टर्मिनल के चालू हो जाने से बुनियादी ढांचे में बढ़ोतरी होगी और आव्रजन, सीमा शुल्क तथा सुरक्षा सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। साथ ही इस टर्मिनल से प्रतिदिन 20,000 यात्रियों की आवाजाही होगी। गृहमंत्री ने पिछले साल 9 मई को इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण ने इस सीमा क्षेत्र से प्रतिदिन लगभग छह-सात सौ ट्रकों के आवागमन को देखते हुए नया कार्गो गेट का निर्माण किया है।

सरकार के मुखिया से जजों की मुलाकात पर बोले सीजेआई

हम मिलते हैं तो इसका मतलब नहीं कि डील हुई...

नई दिल्ली। इस साल गणेश चतुर्थी के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आवास पर पहुंचे थे। उस समय उन्होंने गणपति पूजा भी की थी, जिसे लेकर विपक्षी पार्टियों ने सवाल खड़े किए थे। अब इस मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि जब भी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस, राज्यों और केंद्र की सरकार के प्रमुख से मिलते हैं, तो वे कभी भी किसी केस पर चर्चा नहीं करते। ये बैठकें अक्सर प्रशासनिक मामलों से जुड़ी होती हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि इसमें कोई डील हुई है। सीजेआई चंद्रचूड़, 10 नवंबर को सीजेआई के पद से रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार के प्रमुखों के जजों की बैठकें आवश्यक हैं क्योंकि राज्य सरकारें न्यायपालिका के लिए बजट पारित करती हैं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम मिलते तो हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई डील तय हो गई। हमें राज्य के मुख्यमंत्री (सीएम) से संवाद में रहना होगा क्योंकि उन्हें न्यायपालिका के लिए बजट देना है और यह बजट जजों के लिए नहीं है। अगर हम नहीं मिलेंगे और केवल पत्रों पर निर्भर रहेंगे तो हमारा काम नहीं चलेगा। सीजेआई चंद्रचूड़ ने आगे कहा कि जब हम मिलते हैं तो मेरा विश्वस कीजिए, राजनीतिक व्यवस्था में बहुत परिपक्वता होती है। उन बैठकों में मेरे अनुभव में कभी भी, कोई सीएम लंबित मामले के बारे में नहीं बोलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि न्यायपालिका पूरी तरह से स्वतंत्र है। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक पक्ष पर न्यायपालिका और सरकार के कार्यों के बीच एक अंतर है। पिछले महीने, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीजेआई के आवास पर जाने को लेकर सवाल उठाए थे। विपक्ष ने चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी के साथ पीएम मोदी के पूजा में शामिल होने को लेकर भी सवाल किया था।

एक साथ तीन नाव दुर्घटनाग्रस्त, तीन लापता

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के बिलासीपारा के काऊनबाड़ी इलाके में एक साथ तीन नाव दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से नाव में सवार तीन बच्चे ब्रह्मपुत्र नद में डूब गए। हादसे के दूसरे दिन रविवार को भी तलाशी अभियान एसडीआरएफ की मदद से चलाया गया। पुलिस ने आज बताया कि बिलासीपारा के काऊनबाड़ी इलाके में शनिवार की शाम को तीन नाव एक एक-दूसरे से टकरा गई। जिसकी वजह से इंजन चालित नाव में सवार तीन बच्चे ब्रह्मपुत्र नद में डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम नदी में डूबे तीनों बच्चों की तलाश कर रही है। हालांकि, नाव में सवार अन्य लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर नदी से बाहर निकलने में सफल रहे। घटना के समय सभी नाव में बाराती सवार थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत आतंकवाद से लड़ने में सबसे आगे : जयशंकर

मुंबई। विदेश मंत्री एस जयशंकर प्रसाद मुंबई पहुंचे। यहां उन्होंने प्रेस-कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाई। इसके साथ ही विकसित भारत को लेकर बात की और कहा कि विकसित भारत हमारा लक्ष्य है, लेकिन विकसित भारत के लिए विकसित महाराष्ट्र भी जरूरी है। क्योंकि महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है, जो हर क्षेत्र में सबसे आगे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि कि मुंबई भारत और दुनिया के लिए काउंटर टेररिज्म का सिंबल है। जब हम एनएससी के मेंबर थे, तो हम काउंटर टेररिज्म कमेटी के अध्यक्ष थे। सिक्योरिटी काउंसिल की मीटिंग हमने पहली बार भारत में मुंबई के उस होटल में की थी, जहां एक आतंकवादी हमला हुआ था। अब दुनिया देखती है कि आतंकवाद की इस चुनौती के सामने कौन खड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि जब सब पूछते हैं कि आतंकवाद के आगे कौन खड़ा है, तो लोग कहते हैं भारत, आज हम आतंकवाद से लड़ने में सबसे आगे हैं। जब हम कहते हैं कि भारत जीरो टॉलरेंस रखता है, तो हमें इस बात को लेकर बहुत क्लियर रहना चाहिए कि मुंबई में जो हमला हुआ उसे कभी दोहराया जा सके। हमें आतंकवाद को भी बेनकाब करने की जरूरत है। महाराष्ट्र में अगले महीने विधानसभा चुनाव हैं, जहां 20 नवंबर को मतदान हैं और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। इसको लेकर भी एस जयशंकर ने बात की। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसी सरकार की जरूरत है, जिसके विचार केंद्र सरकार से मिलते हों।

मादक पदार्थ के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गोलकगंज इलाके से पुलिस की एक टीम ने भारी मात्रा में नशीले टैबलेट और प्रतिबंधित कफ सिरप समेत एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान गोलकगंज रेलवे स्टेशन से 50 प्रतिबंधित कफ सिरप की बोतलें, 250 नशीले टैबलेट समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान नूर हक के रूप में की गई है। जो धुबड़ी जिले के मतीरचर प्रथम खंड गांव का रहने वाला बताया गया है। हालांकि, अभियान के दौरान गिरफ्तार आरोपी के अन्य दो साथी मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

शेख हसीना के खिलाफ हत्या के मामले में अदालत ने मांगी रिपोर्ट

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। अब वहां की एक अदालत ने पुलिस से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 23 अन्य के खिलाफ दर्ज हत्या के एक मामले की जांच रिपोर्ट मांगी है। इसके लिए अदालत ने पुलिस को 28 नवंबर तक समय दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद जियादुर रहमान ने 28 नवंबर तक जांच रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। हत्या का यह मामला ढाका के मीरपुर में 18 वर्षीय कॉलेज छात्र की मौत को लेकर दर्ज किया गया है। इस छात्र की मौत हाल ही में सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली के खिलाफ हुए देश व्यापी आंदोलन में अवामी लीग सरकार द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान हुई थी। छात्रों के उग्र प्रदर्शन के कारण ही शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। वहीं, बाद में उन्हें पांच अगस्त को देश छोड़कर भारत में शरण लेना पड़ी। बता दें कि मृतक के भाई ने 15 अगस्त को हत्या का मामला दर्ज कराया था। उसने दावा किया था कि इस मामले के आरोपी हिंसा में सीधे तौर पर शामिल थे या उन्होंने हिंसा में सहयोग किया। इस हिंसा के कारण ही उसके भाई की मौत हुई और अन्य छात्र भी घायल हुए। इस मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना के अलावा पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान, अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर, पूर्व विधि मंत्री अनीसुल हक और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून भी आरोपी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख हसीना के खिलाफ 225 मामले दर्ज हैं, इनमें हत्या के 194, मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के 16 मामले, अपहरण के तीन मामले, हत्या के प्रयास के 11 मामले और *बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी* की रैली पर हमले के संबंध में एक मामला शामिल है। बांग्लादेश को साल 1971 में आजादी मिली थी। आजादी के बाद से ही बांग्लादेश में आरक्षण व्यवस्था लागू है। इसके तहत स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को 30 प्रतिशत, देश के पिछड़े जिलों के युवाओं को 10 प्रतिशत, महिलाओं को 10 प्रतिशत, अल्पसंख्यकों के लिए 5 प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था। इस तरह बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में 56 प्रतिशत आरक्षण था। साल 2018 में बांग्लादेश के युवाओं ने इस आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन किया। कई महीने तक चले प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश सरकार ने आरक्षण खत्म करने का एलान किया। बीते महीने 5 जून को बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने देश में फिर से आरक्षण की पुरानी व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया। शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील भी की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य सरकार ने ...

उन्होंने यह भी कहा कि कैबिनेट ने आज असम में बायोगैस क्षेत्र के उद्योग स्थापित करने के लिए रिलायंस बायो एनर्जी के साथ एक समझौता ज्ञापन को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमओयू का उद्देश्य यह अध्ययन करना है कि रिलायंस असम में जीवाश्म ईंधन के बजाय कितना ग्रीन ऑयल या ग्रीन एनर्जी का उत्पादन करेगा और असम में इसकी क्षमता का पता लगाएगा। असम पुलिस ने तीरंदाज जयंत तालुकदार को डीएसपी रैंक देने को भी मंजूरी दी, जिन्होंने राष्ट्रमंडल और ओलंपिक में असम और देश का प्रतिनिधित्व किया था। सीएम ने कहा कि जयंत तालुकदार ने भी इस संबंध में रुचि व्यक्त की है। उन्होंने एक और घोषणा की कि असम में आयोजित होने वाले रास कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए 25 हजार रुपए का अनुदान दिया जाएगा। रास आयोजित करने के लिए प्रशासन को कोई शुल्क नहीं देना है। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि एडीआरई परीक्षा के परिणाम फरवरी में जारी किए जाएंगे। इसमें उत्तीर्ण होने वाले सभी को नौकरियां दी जाएगी। इनके अलावा भी कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

हिंदू नहीं रोहिंग्या ...

के अलग-अलग राज्यों में जा रहे होंगे, क्योंकि हमें ऐसे कई लोग अब तक मिले हैं जो भारत में अपने देश से नए लोगों को लाने के लिए बांग्लादेश वापस गए हैं। सीएम ने बताया कि राज्य सरकार इस पर सख्त एक्शन ले रही है। उन्होंने कहा कि हम सीमा सुरक्षा बल के साथ कोआर्डिनेट कर रहे हैं, कभी बीएसएफ तो कभी राज्य पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान के जरिए लोगों की पहचान की जा रही है। साथ ही सीएम ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दो महीनों में राज्य सरकार ने 138 घुसपैठियों का पता लगाया है और उन्हें उनके देश वापस भेजा गया है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने घुसपैठियों को लेकर बात करते हुए कहा कि हमें इस बात की काफी हैरानी है कि जो बांग्लादेश के लोग भारत आ रहे हैं वो बांग्लादेशी हिंदू नहीं, बल्कि रोहिंग्या मुस्लिम है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदूओं के साथ जो किया जा रहा था उसे देख कर उम्मीद थी कि बांग्लादेशी हिंदू भारत आएंगे, लेकिन सिर्फ रोहिंग्या मुसलमान ही भारत में आ रहे हैं। सीएम ने रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर कहा कि अभी भी हमारे देश के विभिन्न राज्यों में रोहिंग्या मुसलमान आने की कोशिश कर रहे हैं। प्रत्येक राज्य सरकार को सतर्क रहना चाहिए और उन्हें इस समस्या के चलते बीएसएफ के साथ मिलकर काम करना चाहिए। असम और त्रिपुरा में हम बहुत करीब से इस मामले को लेकर काम कर रहे हैं और घुसपैठियों का पता लगा रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर बंगाल सरकार भी लोगों का पता लगाना शुरू कर दे तो मुझे लगता है कि यह एक अच्छा ऑर्केस्ट्रा होगा और यह एक व्यवस्थित कोशिश होगी।

राज्य सरकार ने ...

सरकार ने राज्य में रास समितियों को 225,000 रुपए की वित्तीय सहायता को मंजूरी दी। इस निर्णय का उद्देश्य लगभग 2,000 लाइव रास उत्सवों को लाभ पहुंचाना है, हालांकि मूर्तियों के साथ आयोजित होने वाले उत्सवों को यह सहायता नहीं मिलेगी। इस बीच, रास महोत्सव के आयोजन की अनुमति प्राप्त करने के लिए शुल्क का भुगतान करने की आवश्यकता भी सभी के लिए समाप्त कर दी गई है।

हरित ईंधन : सरकार...

ढांचे का एक व्यापक नेटवर्क स्थापित करेगी। इस पहल में जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में हरित ईंधन की क्षमता पर शोध और अध्ययन भी शामिल है, जो खाद्य सुरक्षा से समझौता किए बिना जैव-मूल्य श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है। शर्मा ने कहा कि मंत्रिमंडल ने एनआरएल की तीसरी नकद मांग के अनुसार राज्य की 26 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी को बनाए रखने के लिए नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में 205.72 करोड़ के निवेश को मंजूरी दी है। यह निवेश एनआरएल की चल रही विस्तार परियोजना का समर्थन करेगा, जिसका उद्देश्य इसकी क्षमता को 3 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) से बढ़ाकर 9 एमएमटी प्रति वर्ष करना है। उन्होंने कहा कि इस विस्तार से महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलने और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद है, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में असम की स्थिति मजबूत होगी और राज्य के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

भाषाई विविधता का ...

आयोजित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें अपने शैक्षणिक संस्थानों में भारतीय भाषाओं का जश्न मनाना चाहिए। सप्ताह के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की सूची बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहानी सुनाने की प्रतियोगिताएं, भाषा मेले, कविता लेखन सत्र, बहुभाषी पुस्तकों का निर्माण और रचनात्मक लेखन कार्यशालाएं जैसी गतिविधियों का सुझाव दिया। स्कूलों के अलावा, मुख्यमंत्री ने समाज सेवी संगठनों, महिला समूहों, स्वयं सहायता समूहों, क्लबों और साहित्यिक संस्थाओं से भी इस सप्ताह के उत्सव में योगदान देने का आग्रह किया। शर्मा ने नागरिकों को प्रधानमंत्री को आभार पत्र लिखने तथा उन लेखकों, विद्वानों, शोधकर्ताओं और साहित्यकारों के योगदान को मान्यता देने के लिए भी प्रोत्साहित किया, जिन्होंने असमिया को वर्तमान स्तर तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक लेखक, विद्वान, शोधकर्ता और साहित्यकार, चाहे वह प्रसिद्ध हो या नहीं, हमारे आभार का पात्र है। उत्सव के हिस्से के रूप में, राज्य के मंत्री 3 नवंबर से विभिन्न जिलों में होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेंगे। हालांकि, मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जिन निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव होने हैं, वहां कोई राज्य प्रायोजित कार्यक्रम नहीं होगा। शर्मा ने कहा कि हमारे मंत्री समारोह के लिए प्रत्येक जिले का दौरा करेंगे। उपचुनाव वाले निर्वाचन क्षेत्रों में कोई राजकीय समारोह नहीं होगा। हालांकि, सामाजिक समारोह जारी रह सकते हैं।

उपराष्ट्रपति कृष्णगुरु अंतर्राष्ट्रीय ...

इसकी आत्मा बनी हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 1974 में स्थापित कृष्णगुरु सेवाश्रम विभिन्न सामाजिक-शैक्षणिक पहलों के माध्यम से मानवीय मूल्यों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान के साथ तालमेल बिठाते हुए पारंपरिक बेल मेटल उद्योग में कारीगरों के कौशल को बढ़ाने में संस्था की भूमिका की भी सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि कृष्णगुरु प्रेमानंद प्रभु के मार्गदर्शन में, युवा समाज जन सेवा के एक प्रकाश स्तंभ के रूप में उभरा है, जिसने हजारों युवाओं को कल्याणकारी गतिविधियों में शामिल किया है। राज्यपाल ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि हमारा भारत एक युवा देश है, और केवल युवा ही इसे विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे ले जाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र प्रथम के संदेश को आगे बढ़ाने का भी आग्रह किया। राज्यपाल ने प्रभु ईश्वर कृष्णगुरु की असाधारण आध्यात्मिक समझ और विश्व शांति और सार्वभौमिक भाईचारे के उनके संदेश को भी स्वीकार किया, जो दुनिया भर के लोगों को प्रेरित और आकर्षित करता है। आचार्य ने यह भी कहा कि सम्मेलन ने प्राचीन परंपराओं को आधुनिक प्रगति के साथ मिश्रित करने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाया, जो उपनिषदिक प्रार्थना तमसो मा ज्योतिर्गमय - अंधकार से प्रकाश की यात्रा को मूर्त रूप देता है। सम्मेलन में डॉ. सुदेश धनखड़, बीटीआर के सीईएम प्रमोद बोडो, भक्तिमात्री कुंतला पटवारी गोस्वामी, कृष्णगुरु इंटरनेशनल स्पिरिचुअल यूथ सोसाइटी की अध्यक्ष कमला गोगोई सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

विस चुनाव : महाराष्ट्र...

प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) नहीं चाहती है कि महाराष्ट्र में सेक्युलर वोटों का बंटवारा हो। सपा अब भी महाविकास अघाड़ी के जवाब का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि महाराष्ट्र में सपा की पहले पूरी कोशिश रहेगी की सपा गठबंधन के साथ चुनाव लड़े। यदि गठबंधन सपा को साथ नहीं रखना चाहता है तब सपा वहीं से चुनाव लड़ेगी जहां उसका संगठन मजबूत है और वहीं से चुनाव लड़ेगी जहां से गठबंधन को नुकसान न हो। साथ में उन्होंने ये भी कहा की राजनीति में त्याग की कोई जगह नहीं है। महाराष्ट्र में सपा की ओर से मांगी गई तीन सीटों पर कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) की ओर से उम्मीदवारों की घोषणा के बाद अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि हम इग्नोर होने वालों में से हैं। कहां से कौन चुनाव लड़ेगा यह समाजवादी पार्टी के प्रदेश (महाराष्ट्र) अध्यक्ष तय करेंगे। पहले तो हम गठबंधन में रहने की कोशिश करेंगे। लेकिन, अगर वे (महाविकास अघाड़ी) हमें गठबंधन में नहीं रखेंगे, तो हम उन सीटों पर चुनाव लड़ेंगे जहां हमें वोट मिलेंगे या जहां हमारा संगठन काम कर रहा है। हम उन सीटों पर चुनाव लड़ेंगे जो गठबंधन को नुकसान नहीं पहुंचाएंगी। लेकिन, राजनीति में त्याग के लिए कोई जगह नहीं है। झारखंड विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन में दरार पड़ती दिख रही है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के उम्मीदवारों के खिलाफ अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिसके विरोध में कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने इस्तीफा दे दिया है। यह घटना छतरपुर, बिश्रामपुर, गढ़वा और धनवार जैसे क्षेत्रों में गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। इंडिया गठबंधन के लिए सीट बंटवारा एक बड़ा मुद्दा बन गया है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को आरजेडी नेतृत्व को मनाने की जिम्मेदारी दी गई है। वे आरजेडी नेतृत्व से लगातार संपर्क में हैं और इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरे चरण के नामांकन की प्रक्रिया खत्म होने से पहले आरजेडी पर अपने उम्मीदवार वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। अगर आरजेडी अपने उम्मीदवार नहीं हटाता है, तो वामदल, जेएमएम और कांग्रेस, आरजेडी उम्मीदवारों का विरोध कर सकते हैं, जिससे महागठबंधन और कमजोर हो जाएगा।

रूस के जंगलों में ...

मॉस्को से लगभग 400 मील दूर है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा क्यों हुआ। पुलिस अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के बीच हादसे से पहले क्या बातचीत हुई थी। सोशल मीडिया पर इस हादसे की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। प्रारंभिक जांच में तकनीकी कारणों से हादसा होने की आशंका जताई गई है। हेलीकॉप्टर की यात्रा की दिशा के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने बताया कि पहले तीन शव मिले थे, लेकिन बाद में चौथे शव का भी पता चला। गवर्नर अलेक्जेंडर सोकोलोव ने कहा कि हेलीकॉप्टर में कोई मरीज नहीं था। एमआई-2 एक छोटा, सोवियत डिजाइन वाला हेलीकॉप्टर है, जिसका विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है।

बाबा वेंगा और ...

हैं, जिनके द्वारा की गई अधिकतर भविष्यवाणियां आज हकीकत में होती हुई दिख रही हैं। चौंकाने वाली बात यह भी है कि दोनों के जन्म के बीच तीन सदियों का अंतर था, फिर भी दोनों के भविष्यवाणियों में कई समानताएं पाई गई हैं। बता दें कि बाबा वेंगा बुल्गारिया की रहने वाली थीं। वह दुनिया की प्रसिद्ध भविष्यवक्ताओं में से एक हैं। उनकी 1996 में मृत्यु हो गई थी। वहीं नास्त्रेदमस फ्रांस के 16वीं सदी के भविष्यवक्ता थे। ये सिर्फ भविष्यवक्ता ही नहीं, बल्कि डॉक्टर और शिक्षक भी थे। इन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से भविष्य में होने वाली घटनाओं का वर्णन किया था। इन्हें इनकी सटीक भविष्यवाणियों के लिए याद किया जाता है। इन दोनों भविष्यवक्ताओं ने इंसानों और एलियन का संपर्क, व्लादिमीर पुतिन की हत्या का प्रयास, यूरोप में आतंकवादी हमले और किंग चार्ल्स के लिए एक अशांत शासनकाल सहित आश्चर्यजनक रूप से समान भविष्यवाणियां की हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों रहस्यवादियों ने 2025 में यूरोप में एक विनाशकारी संघर्ष की भविष्यवाणी की है, जिसने एक व्यापक बहस छेड़ दी है। बाबा वेंगा के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने 9/11 के आतंकवादी हमलों, राजकुमारी डायना की मौत, चर्नोबिल आपदा और ब्रेक्सिट जैसी प्रमुख विश्व घटनाओं की भविष्यवाणी की थी। बाबा वेंगा की आगे की भविष्यवाणियों की बात करें तो उन्होंने 2025 में यूरोप में एक भयावह युद्ध की भविष्यवाणी की है, जिसमें व्यापक तबाही और महत्वपूर्ण जनसंख्या हानि की बात कही गई है। उनकी भविष्यवाणी से पता चलता है कि यूक्रेन पर चल रहे रूसी आक्रमण से अलग, दोनों देशों के बीच एक नया संघर्ष पैदा होगा। उन्होंने दो क्रांतिकारी घटनाक्रमों की भी भविष्यवाणी की है- एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल लाइफ यानी एलियंस के साथ इंसानों का संपर्क एवं टेलीपैथी में बड़ी सफलता, यानी मन-से-मन की संचार तकनीक। वहीं नास्त्रेदमस ने भी यूरोप के लिए एक भयावह भविष्य की कल्पना की है। उनकी सदियों पुरानी भविष्यवाणियां महाद्वीप को घेरने वाले क्रूर युद्धों और दुश्मनों से भी बदतर प्राचीन प्लेग के पुनरुत्थान की बात करती हैं। नास्त्रेदमस ने यह भी कहा है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष आपसी थकान के कारण समाप्त हो जाएगा, यानी दोनों पक्षों के संसाधन और इच्छाशक्ति कम होगी। वहीं उन्होंने ब्राजील में ज्वालामुखी विस्फोट और भयंकर बाढ़ सहित विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं की भी भविष्यवाणी है। इन आपदाओं के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं, जो संभावित रूप से वैश्विक व्यवस्था को नया रूप दे सकते हैं।

बांद्रा रेलवे स्टेशन ...

है। बताया जा रहा है कि इतनी भीड़ थी कि पुलिस भी स्थिति को संभालने में असमर्थ रही। यह घटना रात करीब 2 बजे हुई, जब बांद्रा गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन आई। जब पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की, तो भगदड़ मच गई। किसी तरह पुलिस ने प्लेटफार्म को खाली कराया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस जांच में यह बात सामने आई कि ट्रेन को सुबह करीब सवा 5 बजे रवाना होना था, लेकिन यह रात को ही प्लेटफार्म पर आ गई। इसके कारण लोगों में घबराहट बढ़ गई, जिससे ट्रेन में चढ़ने के लिए होड़ लग गई। इस स्थिति ने भगदड़ को और बढ़ावा दिया, क्योंकि लोग जल्दी में थे और ट्रेन छूटने के डर से धक्का-मुक्की करने लगे। घायलों की पहचान निम्नलिखित लोगों के रूप में हुई: शब्बीर अब्दुल रहमान (40 वर्ष), परमेश्वर सुखदार गुप्ता (28 वर्ष), रवींद्र हरिहर चुमा (30 वर्ष), रामसेवक रवींद्र प्रसाद प्रजापति (29 वर्ष), संजय तिलकराम कांगय (27 वर्ष), दिव्यांशु योगेंद्र यादव (18 वर्ष), मोहम्मद शरीफ शेख (25 वर्ष), इंद्रजीत साहनी (19 वर्ष), नूर मोहम्मद शेख (18 वर्ष)। दिवाली और छठ पूजा का त्योहार नजदीक है, जिससे उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग अपने घर जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर आए थे।

इंडोनेशिया के माउंट ...

झटकों के कारण होते हैं। मारापी निगरानी चौकी पर इंडोनेशिया के ज्वालामुखी विज्ञान और भूगर्भीय खतरा शमन केंद्र के अधिकारी अहमद रिफांदी ने बताया कि इससे निकला गर्म लावा कई मील तक फैल गया। विस्फोट से 2,000 मीटर की ऊंचाई तक राख के गुबार उठे। रिफांदी ने कहा कि लगभग 2,900 मीटर ऊंचा ज्वालामुखी जनवरी से अब तक चार अलर्ट स्तरों में से दूसरे उच्चतम स्तर पर बना हुआ है। पर्वतारोहियों और ग्रामीणों को ज्वालामुखी के मुहाने से तीन किमी के भीतर जाने पर रोक लगा दी गई है। दिसंबर 2023 में मारापी पर्वत में अचानक विस्फोट हुआ, जिसमें 24 पर्वतारोहियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। तब से पर्वत के चढ़ाई के दो मार्ग बंद कर दिए गए हैं। इससे पांच महीने पहले मॉनसून की बारिश के दौरान माउंट मारापी से मिट्टी और ठंडे लावा के निकलने से नदियों में बाढ़ आ गई। इस घटना में कई लोगों के घर बह गए और 67 लोगों की मौत हुई थी। द्वीपीय देश इंडोनेशिया भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधि के लिए संवेदनशील है, क्योंकि यह प्रशांत महासागर के चारों ओर भूकंपीय क्षेत्र *फायर रिंग* पर स्थित है।

झारखंड में जीतना...

संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैं यहां उपचुनावों पर नजर नहीं रख पा रहा हूं। मैं झारखंड में बहुत व्यस्त रहा हूं। शर्मा ने झारखंड में भाजपा की जीत की संभावनाओं पर कहा कि यह चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन हमें वहां अच्छे नतीजों की उम्मीद है। झारखंड विधानसभा चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरण में होंगे और मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। उन्होंने कहा कि असम के मंत्री, विधायक और भाजपा का राज्य नेतृत्व पूर्वोत्तर राज्य में पांच विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए प्रचार कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि मैं इस बारे में निश्चित तौर पर नहीं कह सकता कि मैं इस बार यहां प्रचार करूंगा या नहीं। अगर मैं समय निकाल पाया तो शायद एक या दो जगहों पर प्रचार करूंगा।

ऊपरी असम में उल्फा-स्वा के खिलाफ जोरदार अभियान

सैन्य खुफिया और असम पुलिस के ऊपरी असम में उल्फा-स्वा के खिलाफ चल रहे संयुक्त अभियान में तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बीते कुछ दिनों से राज्य में बढ़ रही उल्फा-स्वा की गतिविधियों के मद्देनजर सुरक्षा बल उल्फा-स्वा के खिलाफ राज्यभर में जोरदार अभियान चला रहे हैं। इन अभियानों में सुरक्षाबलों को काफी सफलता मिल रही है। खासकर इस वर्ष 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर उल्फा-स्वा द्वारा राज्य में 25 स्थानों पर बम लगाए जाने की घटना के बाद सुरक्षा बलों ने उल्फा-स्वा के खिलाफ कमर कस लिया है। इसी कड़ी में बीते कुछ समय के दौरान बड़ी संख्या में उल्फा-स्वा से जुड़े लोग पकड़े गए हैं। इसी क्रम में खुफिया और असम पुलिस के नेतृत्व में एक समन्वित खुफिया-आधारित अभियान में ऊपरी असम में उल्फा-स्वा के कई ओजीडब्ल्यू (ओवरग्राउंड वर्कर) और लिंकमैन पकड़े गए हैं। यह अभियान उल्फा-स्वा नेतृत्व से जुड़े व्यक्तियों, विशेष रूप से एसएस ब्रिगेडियर अरुणोदय दाहोतिया और एसएस ब्रिगेडियर गणेश लाहोन, जो विद्रोही समूह के कमांड स्ट्रक्चर में प्रमुख व्यक्ति हैं, के बारे में महत्वपूर्ण इनपुट पर आधारित था। सूचना से संकेत मिलता

है कि उल्फा-स्वा से जुड़े ओजीडब्ल्यू और लिंकमैन व्हाट्सएप के माध्यम से वरिष्ठ उल्फा-स्वा कमांडरों, एसएस ब्रिगेडियर अरुणोदय दहोतिया और एसएस ब्रिगेडियर गणेश लाहोन के साथ सक्रिय संचार में थे। इस खुफिया जानकारी को पुलिस महानिरीक्षक (पूर्वोत्तर क्षेत्र) के साथ साझा किया गया, जिससे तेजी से लामबंदी हुई। सैन्य खुफिया जानकारी के आधार पर कई ऑपरेशन किए गए। 25 अक्तूबर को एमआई, 23 असम राइफल्स मुख्यालय 73 माउंटेन ब्रिगेड और असम पुलिस की संयुक्त कार्रवाई चराइदेव जिले के नामतोला के सामान्य क्षेत्र में शुरू की गई। इसके परिणामस्वरूप उल्फा-स्वा कमांडर एसएस ब्रिगेडियर गणेश लाहोन से जुड़े एक प्रमुख लिंकमैन प्रेम नेवार को पकड़ा गया। इसके अलावा 25 अक्तूबर को, एमआई और असम पुलिस की एक संयुक्त टीम ने डिब्रूगढ़ जिले के चबुआ के सामान्य क्षेत्र में छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप उज्जल गोहाईं उर्फ सुकरात और शशांक राजखोवा को पकड़ा गया। दोनों की पहचान उल्फा-स्वा ओजीडब्ल्यू के रूप में की गई। संयुक्त अभियान अभी भी जारी है, क्योंकि सुरक्षा बलों का लक्ष्य क्षेत्र में उल्फा-स्वा से जुड़े शेष नेटवर्क को खत्म करना है। उल्लेखनीय है कि ऊपरी असम में उल्फा-स्वा की गतिविधियों के कारण चार जिलों में आर्म्ड फोर्स स्पेशल पावर एक्ट (अफ्सपा) कानून की मियाद को पिछले दिनों अगले छह माह के लिए बढ़ा दिया गया था। बीते कुछ महीनों में उल्फा-स्वा से जुड़े कई लोगों को पकड़ा गया है। उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त को राज्य में 25 स्थानों पर बम लगाए जाने संबंधी मामले की जांच राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) कर रही है।

सोशल मीडिया के जरिए राज्य के युवाओं को भर्ती और उन्हें कट्टरपंथी बना रहे हैं आतंकी संगठन : एनआईए

गुवाहाटी/नई दिल्ली। ग्वालपाड़ा जिले से जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक आतंकवादी की गिरफ्तारी के बाद, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को कहा कि आतंकवादी संगठन ऑनलाइन तरीकों से असम के युवाओं की भर्ती कर रहे हैं। एनआईए के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों के साथ-साथ खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों सहित लगभग सभी आतंकवादी संगठन विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से कैडर की भर्ती कर रहे हैं। अधिकारी के अनुसार, ऑनलाइन भर्ती के अलावा, आतंकवादी संगठन डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी युवाओं को कट्टरपंथी बना रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि हमारी कई चल रही जांचों से पता चला है कि विदेशी आतंकवादी संगठन युवाओं को भर्ती करने और कट्टरपंथी बनाने के लिए सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म तलाश रहे हैं। हाल ही में ग्वालपाड़ा के कृष्णाई से जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य शेख सुल्तान सलाहुद्दीन अयूबी की गिरफ्तारी से भी इस बात की पुष्टि हुई है कि आतंकी संगठन युवाओं को भर्ती करने और उन्हें कट्टरपंथी बनाने के लिए ऑनलाइन तरीके अपना रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि उससे पूछताछ में आतंकी संगठनों द्वारा ऑनलाइन तरीकों के इस्तेमाल के बारे में और भी तथ्य सामने आए हैं। अधिकारी के अनुसार, बांग्लादेश में सरकार बदलने के बाद कट्टरपंथी इस्लामी संगठन नए सदस्यों की भर्ती में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। असम से और युवाओं के आतंकवादी संगठनों में शामिल होने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने कहा कि जांच चल रही है। अधिकारी ने कहा कि ग्वालपाड़ा से जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य की गिरफ्तारी के बाद, हमें पता चला है कि भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण ताकतें बड़े पैमाने पर कट्टरपंथी प्रक्रिया के जरिए भोले-भाले युवाओं को लुभाने की कोशिश कर रही हैं। भोले-भाले युवाओं से जुड़ने के लिए आतंकवादी संगठनों के तौर-तरीकों का जिक्र करते हुए अधिकारी ने कहा कि आतंकी संगठन कट्टरपंथी सामग्री पोस्ट करते रहते हैं और लोगों की प्रतिक्रियाओं पर नजर रखते हैं। अधिकारी ने कहा कि अगर कोई भी हिंसक प्रतिक्रिया दिखाता है, तो वे सीधे संदेश के जरिए ऐसे लोगों से संपर्क करते हैं। अगर कोई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कोई संदेश भेजता है और उसे आतंकवादी संगठनों के सदस्य पसंद करते हैं, तो वे उस व्यक्ति से संपर्क करने के लिए निजी संदेश भेजते हैं।

डीबी स्टॉक घोटाले के फरार आरोपी दीपांकर बर्म गोवा से गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। डीबी स्टॉक घोटाले के फरार आरोपी दीपांकर बर्मन को असम पुलिस ने गोवा से गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर दिगंत बोरा ने रविवार देर शाम को दी। गुवाहाटी पुलिस कमिश्नर ने बताया कि डीबी स्टॉक घोटाले के आरोपी दीपांकर बर्मन को पान बाजार के एसीपी अमित महतो के नेतृत्व में सिटी पुलिस की एक टीम ने गोवा पुलिस की मदद से गोवा में गिरफ्तार किया है। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे असम लाया

जाएगा। पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार आरोपी से संघन पूछताछ की जाएगी।

पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कसुवा इलाके में एक युवक को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाए जाने की कोशिश किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि कसुवा थाना अंतर्गत तीनाली बाजार में लुकमान अली नामक युवक को शफिकुल इस्लाम नामक गाड़ी चालक ने पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दिया। सूत्रों ने बताया है कि बीते शनिवार को दिन के समय दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहा-सुनी हुई थी। तकरीबन रात 10ः00 बजे लुकमान अली नामक व्यक्ति तीनाली बाजार में गाड़ी से उतरा। इसी दौरान शफिकुल इस्लाम ने उसपर पेट्रोल डालकर आग लगा दिया। स्थानीय लोगों द्वारा गंभीर अवस्था में झुलसे लुकमान अली को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। आग में झुलसे लुकमान अली को गुवाहाटी गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल रेफर किया गया जहां वह जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने शफिकुल इस्लाम को पकड़कर उसकी बुरी तरह पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया। इस घटना को लेकर लुकमान अली के पिता अली मियां द्वारा कसुवा थाने में शफिकुल इस्लाम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस घटना को लेकर स्थानीय दल-संगठनों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए गिरफ्तार आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए जाने की मांग की है। पुलिस दर्ज शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

रंगिया में नियमित योगाभ्यास केंद्र का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। *सेवा भारती पूर्वांचल, असम* के सौजन्य से तथा रंगिया की अग्रणी स्वेच्छासेवी संस्था *साधना* के सहयोग से वार्ड नं- 5 (शांतिपुर) स्थित श्रीमंत शंकरदेव सत्र के नाम घर प्रांगण में रविवार को *प्रेरणा योग केंद्र* नामक एक नियमित योगाभ्यास केंद्र का शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन सेवा भारती पूर्वांचल, असम योग विभाग के अध्यक्ष तथा स्वेच्छा सेवी संस्था *साधना* के सचिव योगाचार्य ज्योतिष कलिता ने किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पुव कामरूप महाविद्यालय के अवसरप्राप्त अध्यापक व समाजसेवी पविन कलिता ने किया तथा इसका संचालन जाने माने अधिवक्ता व योग विद देवजीत सैकिया ने किया। कार्यक्रम में योग शिक्षक कवीन्द्र नाथ डेका, सुजीत चक्रवर्ती, संघमित्रा चौधरी और अस्चिनी दास उपस्थित रहे जिन्होंने योग के अपने अनुभव साझा करने के अलावा योग अभ्यास के लाभों का वर्णन किया। बताया गया है कि अब रोजाना प्रात: 5.30 बजे इस योग केंद्र में नियमित योगाभ्यास कराया जाएगा जिसमें शामिल होने के लिए प्रेरणा योग केंद्र की ओर से सभी से अनुरोध किया गया है।

छत्रीबाड़ी बिल पार रास्ते में चलाया गया स्वच्छता अभियान

गुवाहाटी (विभास)। चाबी पुल से लेकर पलटन बाजार तक का छत्रीबाड़ी बिलपार रास्ता की स्वच्छता के लिए जागृत नागरिक नामक एक संस्था ने अनोखा अभियान छेड़ा है। इस रास्ते की किनारे छत्रीबाड़ी के वासिन्दे अपने घरों का कचरा फेंक देते हैं तथा अन्य कई टूटे-फूटे सामान भी इस रास्ते के फुटपाथों पर फेंक देते हैं। कभी-कभी तो खाने पीने के सामान भी इस रास्ते की फुटपाथों पर पड़े हुए दिखाई दे जाते हैं। रास्ते के दोनो किनारे उग आये घास फूस झाड़ियां के जंगल से भी गंदगी फैली रहती है। ऐसे में जागृत नागरिक नामक एक संस्था ने संपूर्ण रास्ते को सफाई करवा कर एवं झाड़ जंगल आदि को सफा करवा कर फुटपाथ के रेलिंगों पर असमिया, हिंदी और अंग्रेजी में लिखे हुए बड़े-

बड़े बैनर लगा दिए। जिस पर यह लिखा हुआ था कि यह आपका शहर है इसे स्वच्छ रखें अथवा यहां कचरा फेंकना मना है आदि। गौरतलब बात यह है कि इन बेनरों के एक तरफ श्री राम, हनुमान, साइ बाबा आदि की तस्वीर अंकित है, तो दूसरे छोर पर तिरंगे की तस्वीर अंकित है। जिसको लेकर स्थानीय समाज में मिली जुली प्रतिक्रिया भी सुनने को मिली। किसी ने इस कार्य की सराहना की तो किसी ने कहा कि स्वच्छता के नाम पर फुटपाथों पर हिंदू देवी देवताओं के चित्र लगाना एवं तिरंगे झंडे को लगाना यह दोनों का ही अपमान है।

एडीआरई परीक्षा मोबाइल इंटरनेट सेवा स्थगित होने से परेशानी

गुवाहाटी (हिंस)। असम में आज हो रही असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई)-2024 की चतुर्थ वर्ग के लिए परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है। परीक्षा के मद्देनजर सरकार ने सुबह 8.30 बजे से शाम 4 बजे तक मोबाइल इंटरनेट सेवा को बंद करने का एलान किया है। हालांकि, मोबाइल इंटरनेट सेवा सुबह 7.30 बजे के आसपास से ही बंद कर दिया गया। जिसके चलते लोगों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इंटर मोबाइल इंटरनेट सेवाएं स्थगित रहने के कारण विभिन्न प्रकार की सेवाओं पर असर पड़ा है। ऑनलाइन पर आधारित सभी प्रकार के कामकाज आज सुबह से ही प्राय: ठप है। हालांकि, सरकार ने ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा को चालू रखा है। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के मौके पर प्रत्येक बार राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं स्थगित कर दी जाती है। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। परीक्षा केंद्रों पर महिला परीक्षार्थियों की जांच के लिए पुलिसकर्मियों के साथ ही आंगनबाड़ी कर्मियों तथा आशा कर्मियों को भी तैनात किया गया है। कुल मिलाकर सरकार शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से परीक्षा आयोजित करने के सारे इंतजाम कर चुकी हैं। एडीआरई की परीक्षा राज्य में हाल के दिनों में तीसरी बार आयोजित हो रही है।

मायुमं, कामाख्या शाखा ने मनाया दीपोत्सव

गुवाहाडी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा ने अध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया की अध्यक्षता में दीपावली के पावन पर्व पर पश्चिम-गुवाहाटी पहाड़ स्थित एक गांव में कुछ जरूरतमंदो के घरों में जाकर दीपक, तेल, बाती, मिठाई आदि उपहार स्वरुप वितरण किए ताकि उनके घरों में भी दिपावली के पावन त्योहार पर दिपो के प्रकाश से रोशनी से जगमग हो। वो भी अपने परिजनों के संग यह प्रकाश उत्सव का आनन्द ले सकें। हमने पश्चिम गुवाहाटी के एक गांव में कनकधारा मंदिर में यह आयोजन किया। जनसंपर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने बताया की संयोजिका अनिशा अग्रवाल और प्रियंका जैन का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया, पूर्व अध्यक्ष एवं सलाहकार मिना पोद्दार समेत संयुक्त मंत्री मिना जैन, ममता सेठी, मेनका जैन, उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री ने दी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। आज ग्रेड फोर असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई), 2024 में शामिल होने वाले सभी छात्रों को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया के जरिए कहा कि गर्व से कहना अच्छा होगा कि हमने एक स्वच्छ और निष्पक्ष नियुक्ति करके इतिहास बनाया है। उन्होंने कहा है कि रोजगार के क्षेत्र में किए गए वादों को हमने पूरा कर दिया है। हम उस वादे को पार करने और फिर से सरकारी नौकरी देने के लिए तैयार हैं। हम अपने युवाओं के चेहरे पर मुस्कान देखना चाहते हैं। पारदर्शी रोजगार के कारण, अब हर बेरोजगार युवा सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करने के लिए सामने आया है। उनको मेरी शुभकामनाएं हैं।

रंगिया : छट पूजा को लेकर लेकर समिति का गठन

रंगिया (विभास)। रंगिया बाजार के पास स्थित पवित्र पावन बरौलिया नदी तट पर सन1961 में स्थापित छट पूजा घाट पर हरवर्ष की तरह इसबार भी श्री सुर्य षष्ठी (छट पूजा) पर्व का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया है। इसवर्ष छट महापर्व आगामी 5 नवंबर को प्रारंभ होगा तथा इसका समापन 8 नवंबर को किया जाएगा। कार्तिक महीने के शुक्लपक्ष की चतुर्थी से लेकर सप्तमी तक चलने वाले इस कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर गत दिनों मंदिर प्रांगण में एक साधारण सभा आयोजित की गई, जिसमें समाजबंधुओ द्वारा विचार विमर्श कर एक आयोजन समिति का गठन किया गया तथा महोत्सव की रूप रेखा तैयार करने के साथ विभिन्न कार्यभार का वितरण किया किया गया, समिति में अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, कार्यवाहक अध्यक्ष कैलाश चन्द जैन, विजय जयसवाल और गौतम साह, उपाध्यक्ष शिवनाथ सिंह, विश्वनाथ साह, विश्वनाथ गुप्ता, दिनेश सिंह, देवेंद्र ग्वाला, शिवनाथ गुप्ता, कोषाध्यक्ष, सत्येन्द्र गुप्ता, उपकोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी और गौरव गुप्ता, संयुक्त सचिव- अभिषेक तिवारी, महेश गुप्ता और दिलीप फर्श, सहायक सचिव संतोष साह और पंकज साह को कार्यभार सौंपा गया है। वहीं नवगठित समिति द्वारा महोत्सव में सभी भक्तों की उपस्थिति, सहयोगिता और मार्गदर्शन की कामना की गई है।

जीएमटीए का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी मोटर पार्ट्स ट्रेडर्स एसोसिएशन (जीएमटीए)ने अपने सदस्यों के बीच होटल राजमहल में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि वीरेन्द्र राठी मार्केटिंग हेड ऑटोकोई, हर्ष अग्रवाल डायरेक्टर सेपियंट फिनसर्व प्राइवेट लिमिटेड, जीएमटीए के अध्यक्ष प्रकाश लोहिया, सचिव मोहित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कुंजबिहारी शर्मा, पूर्व अध्यक्ष प्रभु दयाल देवडा, बीपी प्रजापति, कमल बैद, सुशील हरलालका चेयरमैन प्रॉपर्टी मैनेजमेंट कमिटी, एडवाइजर पवन अग्रवाल, डीएस कोहली, अरुण अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रकाश लोहिया ने आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी, एवं जीएमटीए की डायरेक्टरी कमिटी के चेयरमैन अशोक कोठारी एवं पूरी टीम तथा जीएमटीए ऐप के लोकार्पण को सफल बनाने के लिए मनोज जैन एवं उनकी टीम के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर अतिथियों, वीरेंद्र राठी मार्केटिंग हेड ऑटोकोई, हर्ष अग्रवाल, श्याम सिंघानिया डायरेक्टर, सेपियंट फिनसर्व प्राइवेट लिमिटेड एवं जीएमटीए के निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप सिंघानिया, पूर्व अध्यक्ष पी डी देवड़ा, बी पी प्रजापति, कमल बेद, सुशील हरलालका सलाहकार पवन अग्रवाल का जीएमटीए के द्वारा

सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ऑटोकोई के मार्केटिंग हेड वीरेंद्र राठी ने अपनी कम्पनी के बारे में विस्तार से बताया एवं सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। सेपियंट फिनसर्व जो कि वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करती है, और गुवाहाटी की अग्रणी वित्तीय प्रबंधन कंपनी है ने वित्तीय प्रबंधन को किस तरह से किया जाए, जिससे कि निवेशकों का निवेश सुरक्षित रहे और उन्हे अपने निवेश का अच्छे रिटर्न्स प्राप्त हो इस पर चर्चा की। इस अवसर पर जीएमटीए की डायरेक्टरी एवं डिजिटल ऐप का विमोचन संयुक्त रूप से अध्यक्ष प्रकाश लोहिया, सचिव मोहित अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप सिंघानिया, उपस्थित पूर्व अध्यक्षगण प्रभु दयाल देवड़ा, बीपी प्रजापति, कमल बैद, सुशील हरलालका सलाहकार पवन अग्रवाल, उपाध्यक्ष संजय गुप्ता, नीरज अग्रवाल, डायरेक्टरी कमिटी के चेयरमैन अशोक कोठारी, वरीय सदस्य बाबूलाल सोमानी एवं कल्चरल कमिटी के चेयरमैन राजेश सरावगी और मनोज जैन के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। समारोह में भाग्यशाली सदस्यों के बीच पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम दान पात्र के माध्यम से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ जिसमें कुल 33 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में गायक राज एवं गायिका शताब्दी की कल्चरल टीम ने अपनी गायिकी से समारोह में उपस्थित सदस्यों का भरपूर मनोरंजन किया। इस अवसर पर जीएमटीए की एग्जीक्यूटिव कमिटी के संजय देवड़ा, अजय जैन, राजेश पटवारी, अजय सरावगी एवं रमेश पीरतानी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन गुवाहाटी मोटर पार्ट्स ट्रेडर्स एसोसिएशन के सह सचिव अजय तिवारी ने किया।

लमडिंग जंक्शन पर पिस्तौल के साथ युवक-युवती गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। रेलवे पुलिस ने लमडिंग जंक्शन पर पिस्तौल के साथ युवक-युवती को गिरफ्तार किया। रेलवे पुलिस ने 15604 डाउन लिडू एक्सप्रेस में छापा मारा और 9 एमएम की पिस्तौल के साथ पांच गोलियां जब्त कीं। पुलिस ने इस मामले में एक युवती समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। खबरों के मुताबिक, दोनों तस्करों ने जब्त पिस्तौल को डिमापुर से गुवाहाटी ले जाने की योजना बनाई थी। गिरफ्तार तस्करों में से एक की पहचान हावराघाट के सुदीप मालाकार और दूसरे की पहचान नगालैंड की रिचम ला के रूप में हुई है। ज्ञात हो कि दोनों आपूर्तिकर्ताओं ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को 9 एमएम पिस्तौल सौंपने की योजना बनाई थी। अभियान का नेतृत्व रेलवे थाना प्रभारी भूपेन कलिता ने किया।

संपादकीय

ब्रिक्स सम्मेलन में भारत

रूस के ऐतिहासिक शहर कजान में आयोजित ब्रिक्स समूह के नेताओं का शिखर सम्मेलन कई कारणों से महत्वपूर्ण रहा है। विशेषकर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से वैश्विक पटल पर भारत की स्थिति और अधिक मजबूत हुई है। भारत के दृष्टिकोण से यह सम्मेलन उसके लिए बहुत लाभप्रद रहा है। सम्मेलन की सबसे अधिक उल्लेखनीय एवं महत्वपूर्ण घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय वार्ता रही। पिछले कुछ साल से दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। इस बातचीत में विभिन्न मुद्दों पर दोनों नेताओं के बीच क्या सहमति बनी, उसका विवरण तो बाद में पता चल सकेगा, लेकिन पांच वर्षों के अंतराल के बाद भारत और चीन के शीर्ष नेताओं की भेंट से निश्चित रूप से संबंधों में बेहतरी का सिलसिला शुरू होगा। इस मुलाकात के बाद भारत-चीन की सीमा पर शांतिपूर्ण संबंधों की स्थापना की पहलकदमी शुरू भी हो गई। चीन की सेना ने अपने अस्थायी निर्माण हटाने शुरू कर दिए हैं और सीमा निगरानी को लेकर दोनों देशों की सेनाओं के मध्य एक रणनीतिक योजना भी बन गई है। सम्मेलन के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक शांति और सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ आपसी व्यापार में अपनी-अपनी मुद्राओं को प्राथमिकता देने का भी आह्वान किया। यदि प्रधानमंत्री मोदी का यह विचार आगे बढ़ता है, तब वैश्विक अर्थव्यवस्था में डॉलर की धमक कम होगी। जिसका लाभ सभी देशों को मिलेगा। भारत के प्रधानमंत्री मोदी का यह विचार इतना अधिक प्रभावशाली एवं उपयोगी है कि सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी राष्ट्रीय मुद्राओं के अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया। हालांकि, ब्रिक्स के संदर्भ में अमेरिकी डॉलर के स्थान पर दूसरी मुद्राओं को अपनाने की चर्चा बहुत समय से हो रही है। लेकिन इस चर्चा को गंभीर रूप भारत दे सकता है। फिलहाल यह कहा गया है कि समूह के सदस्य देश अपनी मुद्राओं में अधिक व्यापार करने का प्रयास करेंगे। रूस और चीन के आपसी व्यापार का 90 से 95 प्रतिशत उनकी अपनी मुद्राओं में होता है। भारत और रूस के बीच का व्यापार का भी बड़ा हिस्सा स्थानीय मुद्रा में हो रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन से रूस को भी बड़ा लाभ हुआ है। यूक्रेन के साथ विवाद के बाद बनी वैश्विक स्थितियों में रूस को कमजोर करने के लिए यूरोप खूब जोर लगा रहा है। दरअसल, पश्चिमी देशों को लगता था कि वे रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिल्कुल अलग-थलग कर देंगे। उन्हें यह भी लगता था कि ग्लोबल साउथ के देश उनके दबाव में आ जायेंगे और रूस से दूरी बना लेंगे। लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन कर और लगभग तीन दर्जन देशों के नेताओं को आमंत्रित कर रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यह साबित कर दिया है कि वे कतई अलग-थलग नहीं पड़े हैं तथा ग्लोबल साउथ के उभरते हुए देश उनके साथ काम करने के लिए तैयार हैं। याद हो कि रूस के साथ संबंध सीमित करने के लिए भारत पर भी यूरोपीय देशों ने खूब दबाव डाला था लेकिन भारत ने उस दबाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। भारत किसी ताकत का पक्ष नहीं बना। वह अपनी स्थिति को लगातार मजबूत कर रहा है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि नये भारत को किसी भी प्रकार से अपनी ओर झुकाना या दबाव में लाना आसान नहीं है।

भारत के दृष्टिकोण से यह सम्मेलन उसके लिए बहुत लाभप्रद रहा है। सम्मेलन की सबसे अधिक उल्लेखनीय एवं महत्वपूर्ण घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय वार्ता रही। पिछले कुछ साल से दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। इस बातचीत में विभिन्न मुद्दों पर दोनों नेताओं के बीच क्या सहमति बनी, उसका विवरण तो बाद में पता चल सकेगा, लेकिन पांच वर्षों के अंतराल के बाद भारत और चीन के शीर्ष नेताओं की भेंट से निश्चित रूप से संबंधों में बेहतरी का सिलसिला शुरू होगा। इस मुलाकात के बाद भारत-चीन की सीमा पर शांतिपूर्ण संबंधों की स्थापना की पहलकदमी शुरू भी हो गई। चीन की सेना ने अपने अस्थायी निर्माण हटाने शुरू कर दिए हैं और सीमा निगरानी को लेकर दोनों देशों की सेनाओं के मध्य एक रणनीतिक योजना भी बन गई है। सम्मेलन के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक शांति और सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ आपसी व्यापार में अपनी-अपनी मुद्राओं को प्राथमिकता देने का भी आह्वान किया। यदि प्रधानमंत्री मोदी का यह विचार आगे बढ़ता है, तब वैश्विक अर्थव्यवस्था में डॉलर की धमक कम होगी।

भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह कहना समीचीन ही है कि भरोसा बहाली में समय लगेगा

आखिर क्यों झुकता दिख रहा चीन

उमेश चतुर्वेदी

रूस-यूक्रेन और इजराइल-हिजबुल्ला संघर्ष के संदर्भ में भारत और चीन के बीच हुए इस समझौते को बेहतर परिणति ही माना जाना चाहिए। 15 और 16 जून 2020 की रात को बिना हथियारों के भारतीय सैनिकों ने लाल सेना के भले ही दांत खट्टे कर दिए, लेकिन भारतीय विपक्षी दलों ने उस मौके को उत्तेजना की राजनीति के लिए बेहतर मौके के रूप में लिया था। महज एक साल पहले ही तमिलनाडु में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की चर्चित मुलाकात का हवाला देते हुए विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की थी।

लद्दाख सीमा पर गश्ती को लेकर भारत और चीन के बीच सहमति बन तो गई है, लेकिन उस पर आंख मूंदकर भरोसा करना जल्दबाजी और नासमझी होगी। अतीत में चीन के रवैये को देखते हुए भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह कहना समीचीन ही है कि भरोसा बहाली में समय लगेगा। रूस-यूक्रेन और इजराइल-हिजबुल्ला संघर्ष के संदर्भ में भारत और चीन के बीच हुए इस समझौते को बेहतर परिणति ही माना जाना चाहिए। 15 और 16 जून 2020 की रात को बिना हथियारों के भारतीय सैनिकों ने लाल सेना के भले ही दांत खट्टे कर दिए, लेकिन भारतीय विपक्षी दलों ने उस मौके को उत्तेजना की राजनीति के लिए बेहतर मौके के रूप में लिया था। महज एक साल पहले ही तमिलनाडु में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की चर्चित मुलाकात का हवाला देते हुए विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की थी। उनकी मंशा चीन के साथ सीधा युद्ध करने के लिए सरकार को उकसाना रहा। बेशक 1962 जैसी स्थिति नहीं रही। तब से लेकर भारत ने सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर लंबा सफर तय कर लिया है। वहीं चीन इस अवधि में दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आर्थिक मोर्चे के लिहाज से देखें तो भारत पांचवें नंबर पर है और सैनिक ताकत के लिहाज से देखें तो चौथे नंबर है। चीन दुनिया के तीसरे नंबर की सैन्य शक्ति है। ऐसे में सीधी सैनिक कार्रवाई की अपनी सीमाएं थीं। इसलिए विपक्षी दलों के तमाम उलाहनों और उकसावों के बावजूद मोदी सरकार ने कूटनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर चीन को घेरना शुरू किया। इसका मतलब यह नहीं कि सीमा पर सैन्य चौकसी कम की गई या सेना को कार्रवाई की छूट नहीं दी गई।

गलवान के बाद जब भी जरूरत पड़ी, आधुनिक हथियार विहीन हमारे सैनिकों ने लाल सेना को आगे बढ़ने नहीं दिया। गलवान कांड के बाद भारत ने चीन के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए। उसमें सबसे पहला कदम यह रहा कि चीन के लिए सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। गलवान कांड के बाद से ही पड़ोसी होने के बावजूद दोनों देशों के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। इस बीच चीन को आर्थिक मंदी का भी सामना करना पड़ा है। चीन को लगता है कि अगर भारत के साथ उसके कारोबारी रिश्ते बढ़ेंगे, तभी वह आर्थिक मोर्चे पर आगे रह सकता है। इसके लिए सीधी उड़ानें एक बड़ा जरिया हो सकती हैं। इसलिए सीमा पर विवाद के बावजूद वह भारत पर गाहे-बगाहे सीधी उड़ान सेवा बहाल करने के लिए कहता रहा है। वह यात्रियों के लिए सीधी उड़ान के साथ ही उनकी संख्या बढ़ाने पर भी जोर देता रहा है। लेकिन भारत ने इसकी लगातार उपेक्षा की। भारत ने एक और कड़ा कदम उठाया। चीन के लिए सख्त वीजा नियम लागू कर दिए। चीनी नागरिकों के लिए सख्त वीजा नियम होने की वजह से चीन के विशेष इंजीनियरों और तकनीशियनों की भारत में आवाजाही पर एक तरह से पाबंदी ही लग गई। इसकी वजह से चीनी आर्थिक गतिविधियों में कमी आई। इसके साथ ही भारत ने चीनी कंपनियों के निवेश पर भी कठोर नियम लागू कर दिए। गलवान कांड के तुरंत बाद भारत सरकार ने पड़ोसी देशों की कंपनियों के भारतीय निवेश की जांच प्रक्रिया में पुनरीक्षण और सुरक्षा मंजूरी की एक अतिरिक्त शर्त जोड़ दी। एक तरह से पड़ोसी देशों की कंपनियों के लिए नियम सख्त कर दिए गए। इसका सबसे ज्यादा असर चीनी कंपनियों पर पड़ा। इसकी वजह से भारतीय बाजार में चीनी कंपनियों द्वारा किए जाने वाले अधिग्रहण और निवेश पर लगाम लग गई। इसकी वजह से गलवान कांड के बाद से ही चीनी कंपनियों द्वारा प्रस्तावित अरबों डालर के निवेश की प्रक्रिया अटक गई। जिसका सीधा असर चीन की कंपनियों पर पड़ा और उन्हें आर्थिक दिक्कतें झेलनी पडीं। गलवान कांड के बाद भारत ने जो बड़ा कदम उठाया था, उसकी बड़ी चर्चा हुई थी। चीन की मोबाइल कंपनियों और एप्स की भारत में गलवान कांड के बाद बड़ी पहुंच बन गई थी। गलवान कांड के तुरंत बाद भारत ने डाटा और गोपनीयता की शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए चीन करीब 300 चीनी मोबाइल एप्स पर पाबंदी लगा दी थी। इसके बाद साल 2023 में मोदी सरकार ने चीन की स्मार्टफोन कंपनी विवो कम्युनिकेशन टेक्नॉलॉजी पर वीजा नियमों का उल्लंघन करने और 13 अरब डॉलर की धनराशि की हेराफेरी का आरोप लगाया था। जिसकी वजह से विवो के भारतीय बाजार पर बड़ा असर पड़ा। इसके साथ ही सरकार ने चीन की दूसरी बड़ी मोबाइल उत्पादक कंपनी शाओमी के खिलाफ कार्रवाई की। शाओमी पर आरोप लगा कि उसने विदेशी मुद्रा प्रबंधन कानून का उल्लंघन किया है। जांच में यह सही पाया गया और सरकार ने कार्रवाई करते हुए उसकी भारत स्थित करीब 60 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्तियों को जब्त कर लिया। इससे चीन के मोबाइल कारोबार को भारत में बड़ा झटका लगा। वैसे चीन को यहां तक लाने में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बातचीत की बड़ी भूमिका रही है। चीनी विदेश मंत्री चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ सदस्य हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, वांग यी का मानना है कि संघर्षशील दुनिया के बीच दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में चीन और भारत को अपनी स्वतंत्रता पर मजबूती से खड़ा रहना, लेकिन दोनों के बीच एकता और सहयोग भी होना चाहिए। वांग यी ने ही चीन को यह सुझाव दिया कि दोनों पड़ोसी देशों को एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। माना जा रहा है कि भारत और चीन के बीच करीब तीन चौथाई समस्याओं को खत्म कराने में रूसी राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन का भी योगदान है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस, चीन के काफी करीब आया है। हालांकि उसने एक बात जरूर की है कि उसने भारत-चीन के रिश्तों में आई खटास के मद्देनजर कभी-भी चीन का साथ नहीं दिया, बल्कि भारत से अपनी पुरानी दोस्ती को बनाए रखा।

दृष्टि कोण

आखिर कब तक थमेंगे जम्मू-कश्मीर में हो रहे आतंकी हमले?

लीजिए जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकवादी हमला हो गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग मारे गए। यह नृशंस वारदात किसकी शह पर हुई और किसकी नीतिगत लापरवाही से हुई, यह पुनः विमर्श का विषय है! क्योंकि हमारे देश में ऐसी घटनाएं आए दिन की बात हो चली हैं और राष्ट्र के किसी न किसी हिस्से में घटित होती रहती हैं। आखिर इस घटना के क्या मायने हैं, इस पर विचार करने से पहले एक सुलगता हुआ सवाल मेरे मनमस्तिष्क में कौंध रहा है कि आखिरकार 'खूनी होते जा रहे लोकतंत्र' और इसको 'संरक्षित करने वाले संवैधानिक तंत्र' के पास ऐसी वहशी वारदातों को रोकने के लिए अबतक कोई स्थायी मूलमंत्र क्यों नहीं मिला है? आखिर कब तक ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के खात्मे होंगे और इसे प्रोत्साहित करने वाले लोगों और उन्हें रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई कबतक सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी वारदातों पर पूर्ण विराम लग सके! यदि नहीं, तो क्यों नहीं? आम जनता को जवाब चाहिए। क्योंकि इस बद से बदतर स्थिति के लिए हमारी राजनीति और उसके इशारे पर थिरकने वाला प्रशासन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार अवश्य है। बस इसके न्यायसंगत पड़ताल की जरूरत है, जो बीते कई दशकों से नहीं हो पा रही है! उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में आतंकियों ने एक और कायराना हमला करते हुए 7 मेहनतकश लोगों की उस वक्त जान ले ली, जब वो खाना खाने के लिए मेस में बैठे हुए थे। इस आतंकी वारदात में मरने वालों में एक स्थानीय डॉक्टर और टनल निर्माण में लगे 6 कर्मचारी भी शामिल हैं, जिनमें से 5 लोग बाहरी राज्यों से थे। उनमें 2 अधिकारी वर्ग के और 3 श्रमिक वर्ग के थे। वहीं, इस नृशंस हमले में 5 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हमला सोनमर्ग इलाके में हुआ और घटना के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए आतंकी हमले में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। यह हमला रात करीब 8:30 बजे हुआ, जब सभी कर्मचारी खाना खाने के लिए मेस में एकत्र हुए थे। चश्मदीदों के मुताबिक, जब कर्मचारी मेस में भोजन कर रहे थे, तभी 3 आतंकी वहां पहुंचे और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इससे पहले कि कोई प्रतिक्रिया कर पाता, आतंकी हमला करके वहां से फरार हो गए। इस गोलीबारी में दो वाहन भी आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गए। खबरों के अनुसार, इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (TRF) ने ली है। जिसकी अविलंब कमर तोड़ देनी चाहिए। मसलन, प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि जिन श्रमिकों पर हमला हुआ, वे जेड मोड़ सुरंग परियोजना में काम कर रहे थे, जो गगनगीर घाटी को सोनमर्ग से जोड़ने वाली एक सुरंग है। इसका निर्माण उत्तर प्रदेश की एप्को नामक कंपनी द्वारा किया जा रहा है और इसे 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके चलते वहां तेजी से काम चल रहा था। सवाल है कि जब धारा 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में हाल ही में नई सरकार का गठन हुआ है और नेशनल कांफ्रेंस के चीफ उमर अब्दुल्ला ने घाटी में सरकार बनाई है, तब यह बड़ा सवाल है कि आखिर में आतंकियों के असल निशाने पर क्या था? क्योंकि नई सरकार बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में यह पहली आतंकी वारदात हुई है। वहीं, दूसरा सवाल यह है कि क्या आतंकियों के निशाने पर घाटी के विकास कार्यों को रोकना है।

कुछ अलग

ट्रूडो के मंसूबे

दशकों से कनाडा आप्रवासियों का दिल खोलकर स्वागत करता रहा है। कनाडा का आप्रवासन मंत्र रहा है कि जितने अधिक प्रवासी लोग आएंगे, उतना उसके लिए बेहतर रहेगा। कभी नवागंतुकों का खुली बांहों से स्वागत करने वाले कनाडा की सोच रही है कि दूसरे देशों से आने वाले प्रवासी खुद को स्थापित करने के लिये अधिक मेहनत करते हैं और नये देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां तक कि कनाडा ने उन कट्टरपंथियों और चरमपंथियों का भी स्वागत किया, जो अपने मूल देशों में कानून की रेखाओं का अतिक्रमण करते रहे हैं। कनाडा सरकार खुद अपनी पीठ थपथपाती रही है कि वह अपने समकक्ष पश्चिमी देशों की तुलना में आप्रवासियों के लिये बेहतर स्थिति बनाने में अव्वल रही है। लेकिन समय के साथ-साथ स्थितियां विसंगतियों की शिकार हुई हैं। आप्रवासियों के लिये सदैव द्वार खुले रखने की कनाडा की नीतियों के चलते, वहां के मूल नागरिक मानते हैं कि इस उदार नीति का आवास, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जिसके चलते ट्रूडो सरकार पर न केवल विपक्ष बल्कि अपनी पार्टी का भी दबाव बढ़ रहा है। आज उनकी पार्टी में ट्रूडो का इस्तीफा मांगने वालों की संख्या भी कम नहीं है। इस दबाव का ही प्रभाव है कि ट्रूडो सरकार स्वीकार कर रही है कि उनकी सरकार श्रम जरूरतों को संबोधित करने और जनसंख्या वृद्धि को बनाए रखने के बीच सही संतुलन बनाने में विफल ही रही है। सरकार मानने लगी है कि आप्रवासन टिकाऊ होना चाहिए। दरअसल, कनाडा में लिबरल सरकार की लोकप्रियता में लगातार कमी आई है। जिसकी चिंता में कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो आम चुनावों से एक साल पहले ही हाथ-पैर मार रहे हैं। ट्रूडो की सोच है कि कुछ सख्त कदम उठाकर वे अपने मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये अपने पुराने मित्र व बड़े लोकतांत्रिक देश भारत से संबंध खराब करने से भी गुरेज नहीं किया। दरअसल, जस्टिन ट्रूडो के मुगालते कम नहीं हुए हैं। अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये उन्होंने भारत का मुखर विरोध करने वाले जिन सांसदों का समर्थन लिया, उनके एजेंडे को पूरा करने में ट्रूडो सारी सीमाएं लांघ रहे हैं। राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते ट्रूडो मानकर चल रहे हैं कि वे अपने चौथे कार्यकाल के लिये चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। लेकिन पार्टी में चल रहे विरोध के चलते आशंका है कि उनका हश्र भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जैसा न हो, जिनको डेमोक्रेट्स के भारी दबाव के बाद राष्ट्रपति पद की फिर से दावेदारी छोड़नी पड़ी। लेकिन ट्रूडो की राजनीतिक महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल रही कि वे अपरिपक्वता के चलते अपने पुराने सहयोगी नई दिल्ली के साथ संबंध बिगाड़ने से भी नहीं चूके। इसी कड़ी में वे कोशिश कर रहे हैं कि भारत से आने वाले प्रवासियों की संख्या को कम कर सकें। इसमें दो राय नहीं है कि कनाडा में स्थायी निवास की अनुमति की प्रक्रिया में जो बदलाव की मंशा ट्रूडो सरकार जता रही है, उसका सबसे ज्यादा असर भारतीय प्रवासियों पर पड़ेगा। हालांकि, उम्मीद के अनुरूप कुछ देशों से ही उन्हें नई नीति को लेकर समर्थन मिला है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दावेदार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अब जस्टिन ट्रूडो कनाडा की सीमाओं को बंद करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप अमेरिका में सीमाओं को लेकर सख्त कदम उठाने की बात करते रहे हैं। यहां तक कि अमेरिका की मैक्सिको सीमा पर दीवार बनाना उनका मुख्य एजेंडा रहा है।

देश दुनीया से

गंभीर रोगों के इलाज में मददगार शोध को सम्मान

माइक्रो आरएनए की खोज और ट्रांसक्रिप्शन के बाद जीन एक्प्रेशन को रेगुलेट करने में उनकी भूमिका के लिए अमेरिका के दो विज्ञानियों विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन को संयुक्त रूप से साल 2024 का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिलेगा। नोबेल असेंबली ने कहा कि उनकी खोज जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। माइक्रो आरएनए जेनेटिक मैटेरियल आरएनए का सूक्ष्म हिस्सा होता है जो कोशिका के स्तर पर जीन की कार्यप्रणाली को बदलने देता है। माइक्रो आरएनए की जीन की गतिविधि को नियंत्रित करने और जीवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दोनों विज्ञानियों की खोज ने जीन को नियंत्रित करने के नए सिद्धांत के बारे में बताया है। उनके शोध से यह समझने में मदद मिली कि शरीर में कोशिकाएं कैसे काम करती हैं। एंब्रोस ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में माइक्रो आरएनए को लेकर शोध किया। वह यूनिवर्सिटी आफ मैसाचुसेट्स मेडिकल स्कूल में नेचुरल साइंस के प्रोफेसर हैं, जबकि रुवकुन ने यह शोध मैसाचुसेट्स जनरल हास्पिटल और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में किया। पिछले साल कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन को चिकित्सा का नोबेल दिया गया था। इन्हें न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के लिए यह सम्मान दिया गया था। इस खोज की वजह से कोरोनावायरस के खिलाफ प्रभावी एमआरएनए टीकों के विकास में मदद मिली थी। नोबेल दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जिसके तहत विजेताओं को एक स्वर्ण पदक, प्रमाणपत्र और करीब एक करोड़ स्वीडिश क्रोना यानी करीब 8.3 करोड़ रुपए की राशि दी जाती है। माइक्रो आरएनए एक छोटा अणु है जो जीन गतिविधि को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भले ही हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं में एक जैसे जीन होते हैं, लेकिन विभिन्न प्रकार की कोशिकाएं, जैसे मांसपेशी और तंत्रिका कोशिकाएं, अलग-अलग कार्य करती हैं। यह जीन रेगुलेशन के कारण संभव है, जो कोशिकाओं को केवल उन जीनों को 'चालू' करने की अनुमति देता है जिनकी उन्हें आवश्यकता होती है। यह खोज जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके को समझने के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। माइक्रो आरएनए को लेकर एम्ब्रोस और रुवकुन की खोज ने इस विनियमन के होने का एक नया तरीका बताया है। अमेरिकी विज्ञानी विक्टर एंब्रोस ने 1993 में पहला माइक्रो आरएनए खोजा था। जीवविज्ञानी गैरी ब्रूस रुवकुन ने दूसरे माइक्रो आरएनए एलईटी-7 की खोज की थी। उन्होंने पता लगाया कि विक्टर एंब्रोस द्वारा पहचाना गया पहला माइक्रो आरएनए लिन-4 आरएनए को कैसे नियंत्रित करता है। हमारे शरीर की हर कोशिका में लगभग 20,000 जीन होते हैं। ये जीन, प्रोटीन बनाने के लिए आवश्यक निर्देशों को एनकोड करते हैं। प्रोटीन हमारे शरीर के लिए बिल्डिंग ब्लॉक्स जैसे होते हैं। लेकिन हर कोशिका के काम करने का तरीका अलग होता है। जैसे मांसपेशी कोशिका और तंत्रिका कोशिका अलग-अलग काम करती हैं। इसलिए हर कोशिका को अलग तरह के प्रोटीन की जरूरत होती है। मतलब, हर कोशिका में कुछ खास जीन ही काम करते हैं। ये जीन, कोशिका के आसपास के वातावरण अनुसार बदलते रहते हैं। जब कोई जीन काम करना शुरू करता है, तो उस जीन से एक नया अणु बनता है जिसे मैसेंजर आरएनए कहते हैं। यह आरएनए प्रोटीन बनाने के लिए कोशिका के एक हिस्से में जाता है। बहुत समय तक वैज्ञानिकों का मानना था कि जीन की गतिविधि मुख्य रूप से डीएनए से जुड़ने वाले विशेष प्रोटीन द्वारा नियमित होती है, जिन्हें ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर कहा जाता है। लेकिन विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन ने एक नई खोज की व पाया कि माइक्रो आरएनए नाम के बहुत छोटे अणु भी इस काम में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब ये दोनों वैज्ञानिक 1993 में एक सीरीज में लगातार लैब में प्रयोग कर रहे थे, तब इन्होंने एक छोटे से कीड़े, सी. एलिगेंस में, एक विशेष प्रकार के मोलिक्युल की खोज की। इस मोलिक्युल को उन्होंने लिन-4 नाम दिया। बाद में यही मोलिक्युल माइक्रो आरएनए कहलाया। इसी तरह साल 2000 में वैज्ञानिकों ने एक और माइक्रो आरएनए लेट-7 की खोज की। यह माइक्रो आरएनए न केवल सी. एलिगेंस में बल्कि सभी जानवरों में पाया जाता है। अब तक एक हजार से ज्यादा माइक्रो आरएनए खोजे जा चुके हैं। इंपीरियल कालेज लंदन में मोलिक्युलर आंकोलाजी की लेक्चरर डॉ. क्लेयर फ्लेचर के अनुसार, इस शोध ने कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज के लिए विज्ञानियों के रास्ते खोल दिए हैं। माइक्रो आरएनए कोशिकाओं को नए प्रोटीन बनाने के लिए जेनेटिक निर्देश देता है। यह रोगों के उपचार के लिए दवाओं के विकास और बायोमार्कर के रूप में उपयोगी हो सकता है। त्वचा कैंसर के इलाज में माइक्रो आरएनए तकनीक किस तरह से मददगार हो सकती है, इस पर क्लीनिकल परीक्षण जारी हैं। गुणसूत्रों में मौजूद जानकारी हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं के लिए निर्देश पुस्तिका की तरह है। हर कोशिका में एक जैसे गुणसूत्र होते हैं, इसलिए उन सभी के पास निर्देशों का एक ही सेट होता है। लेकिन मांसपेशी और तंत्रिका कोशिकाओं जैसी विभिन्न प्रकार की कोशिकाएं एक-दूसरे से बहुत अलग होती हैं। यह मनुष्यों सहित दूसरे जीवों के लिए बेहद मायने रखता है। मानव शरीर में एक हजार से ज्यादा माइक्रो आरएनए होते हैं। ऐसे में उनकी खोज ने हमें जीवों के बढ़ने और काम करने के तरीके के बारे में एक नया पहलू समझने में मदद की है। 1901 के बाद से चिकित्सा के क्षेत्र में दिया जाने वाला यह 115वां नोबेल पुरस्कार है।

नोबेल असेंबली ने कहा कि उनकी खोज जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। माइक्रो आरएनए जेनेटिक मैटेरियल आरएनए का सूक्ष्म हिस्सा होता है जो कोशिका के स्तर पर जीन की कार्यप्रणाली को बदलने देता है। माइक्रो आरएनए की जीन की गतिविधि को नियंत्रित करने और जीवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आप का नजरीया

भारत-चीन संबंधों में सुधार की पहल

भारत और चीन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 2020 से पहले की स्थिति को फिर से बहाल करने पर सहमत होना दोनों देशों के संबंधों में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सीमा से संबंधित दशकों से स्थापित व्यवस्था तथा उनके आधार पर दोनों देशों के बीच विश्वास बढ़ाने के प्रयासों को 2020 में चीन की आक्रामकता से बड़ा झटका लगा था। गलवान में हुई हिंसक झड़प में कई भारतीय और चीनी सैनिकों की मौत भी हुई थी। उस घटना के बाद से सीमा पर तनातनी बढ़ती गयी तथा बड़ी संख्या में दोनों देशों ने अपने सैनिकों को तैनात किया। फिर भी भारत ने अपनी संप्रभुता, संयुक्त राष्ट्र चार्टर आदि को ध्यान में रखते हुए कूटनीति और संवाद का सिलसिला जारी रखा। सैन्य अधिकारियों के अलावा हमारे विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार चीन के अपने समकक्ष पदाधिकारियों से मिलते रहे। दोनों देशों के बीच सैनिक अधिकारियों की जो कार्यसमिति है, उसकी कई बैठकें हो चुकी हैं। साथ ही, कूटनीतिक और सैन्य अधिकारियों की संयुक्त समिति की बैठकें भी होती रही हैं। इन प्रयासों से तनाव को समाप्त करने में धीमी गति से प्रगति होती रही। इसका एक कारण यह है कि चीन भारत को एक प्रतिद्वंद्वी की तरह देखता है तथा यह समझता है कि उसे नियंत्रित करने में भारत अमेरिका को सहयोग देता है। पर वास्तव में भारत की नीति स्पष्ट है कि हम किसी भी देश के विरुद्ध नहीं हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समावेशी माहौल होना चाहिए तथा स्थापित नियमों का पालन सभी देशों को करना चाहिए। इस प्रकरण में भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत हुई है। यह दुनिया के उन देशों के लिए भी सबक है, जो युद्ध में हैं। यदि आप शांतिपूर्ण ढंग से बातचीत का क्रम बनाकर आगे बढ़ते हैं, तब समाधान निकल ही आता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात के बाद अब दोनों देशों के संबंधों में जमी बर्फ पिघलेगी। यहाँ से आवश्यक है कि चीन अपनी विश्वसनीयता को बनाए रखे। क्योंकि चीन के बारे में धारणा है कि वह कभी भी पलटी मार सकता है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू चीन के साथ भाई-भाई का नारा लगाते रह गए थे और चीन ने भारत की पीठ में छुरा घोंप दिया था। बहरहाल, भारत और चीन दोनों एशिया की महाशक्तियां हैं। एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति एवं विकास पर दोनों का गहरा प्रभाव है। इसलिए भी आवश्यक है कि दोनों देशों के बीच विश्वास का वातावरण बने और आपसी सहयोग की नीति बने। कहना होगा कि यहाँ से दोनों देशों के संबंध किस दिशा में आगे बढ़ते हैं, यह बहुत हद तक चीन के व्यवहार पर भी निर्भर करेगा। भारत तो सदैव से मित्रता और सह-अस्तित्व की भावना को लेकर आचरण करता है। यहाँ भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के वक्तव्य का उल्लेखनीय है- "संबंधों के तीन आधार होते हैं- परस्पर सम्मान, परस्पर हित और परस्पर संवेदना"। निःसंदेह, अगर चीन इन पर ध्यान देता है, तो परस्पर सहयोग बढ़ेंगे। भारत तो इन तीनों आधारों को सदैव जीता है।

तीन आपराधिक कानूनों में बदलाव औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने वाली महत्वपूर्ण घटना : उपराष्ट्रपति

जयपुर (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि दंड विधान से न्याय विधान की यात्रा औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति का मार्ग है। लंबे समय की मांग के बाद अंग्रेजों द्वारा बनाए गए तीन आपराधिक कानूनों को निरस्त किया गया है जोकि नए वकीलों के लिए एक वरदान हैं। उन्होंने इस परिवर्तन को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने वाली एक महत्वपूर्ण घटना बताया। भारतीय न्याय संहिता सहित तीन कानूनों के पारित होते समय राज्यसभा के सभापति के रूप में स्वयं की उपस्थिति के अनुभवों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि एक बहुत शक्तिशाली समिति ने इन कानूनों के प्रत्येक प्रावधान पर विचार किया। उन्होंने सरकार ने इस बदलाव में गहराई से जांच की है तथा तकनीक की मदद से प्रत्येक प्रावधान की पृष्ठभूमि को बारीकी से देखा गया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ रविवार को जयपुर में एआईआर पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उद्योगपति एवं कॉर्पोरेट समूहों को अन्य संस्थानों को प्रदान की जाने वाली सहायता की तर्ज पर न्यायपालिका के कार्यान्वयन में भी सहायता प्रदान करनी चाहिए। कॉर्पोरेट्स के पास सीएसआर फंड है और उनको लोकल अदालतों में इन्वेस्ट करना चाहिए। न्यायपालिका हमारे देश का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। इसमें सबार्डिनेट (अधीनस्थ) शब्द की कोई जगह नहीं है। कोई भी न्यायालय सबोर्डिनेट नहीं, इसमें बदलाव होना चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब मजिस्ट्रेट या जिला जज फैसला लिखता है तो उनके मन में एक शंका रहती है कि मेरे फैसले पर क्या टिप्पणी होगी। उन्होंने कहा कि हम सभी को इनके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए। देश में जिला न्यायालयों, वहां कार्यरत वकीलों एवं आम आदमी की न्याय प्राप्ति पर उन्होंने कहा कि यदि हमें न्याय प्राप्ति को सस्ता और सुलभ बनाना है तो हमें लोगों को गुणवत्तापूर्ण न्याय देना होगा। आइए, हम अपने जिला न्यायालयों, हमारे मजिस्ट्रेट, हमारे जिला न्यायाधीशों, हमारे युवा वकीलों पर प्रमुखता से ध्यान केंद्रित करें, जिला न्यायालय में वकील बहुत ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं। कोविड काल पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट तक के कुछ वकीलों ने वकालत छोड़ दी। ऐसे पेशे को कोई छोड़ता है तो वह आप और हम पर बहुत बड़ी टिप्पणी है। कार्यक्रम में राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मणींद्र मोहन श्रीवास्तव, हाई कोर्ट के जस्टिस इंद्रजीत सिंह, जयपुर बार असोसिएशन के अध्यक्ष, एडवोकेट पवन शर्मा, जयपुर बार असोसिएशन के महासचिव एडवोके राजकुमार शर्मा, जयपुर बार काउंसिल के अध्यक्ष एडवोकेट भुवनेश शर्मा, राजस्थान हाईकोर्ट बार असोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट प्रह्लाद शर्मा एवं अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

पीसीसी चीफ बिना बॉल के फुटबॉल खेल रहे बॉल तो है नहीं, लेकिन वे दौड़े जा रहे : राठौड़

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा बिना बॉल के फुटबॉल खेल रहे हैं। बॉल तो है नहीं, लेकिन वे दौड़े जा रहे हैं। उनसे खुद की पार्टी तो संभल नहीं रही है। वे हमें क्या कहेंगे। हम एकजुट और संगठित होकर चुनाव लड़ रहे हैं। मदन राठौड़ ने गहलोत के बयान पर भी पलटवार करते हुए कहा कि हमने कांग्रेस की किसी भी योजना को बंद नहीं किया। तुष्टीकरण की योजनाओं को छोड़ दें तो गहलोत सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को मजबूत किया है। हम जन कल्याणकारी योजनाओं को कभी बंद नहीं करते हैं। ऐसी हमारी सोच भी नहीं है। शनिवार को डोटासरा ने भजनलाल सरकार और किरोड़ीलाल मीणा को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि इनको कुछ करना नहीं है। केवल नए-नए भाषण देते हैं। इनका काम है, लोगों को भ्रमित करो और शाम को हेलिकॉप्टर में घर आ जाओ। किरोड़ी को लेकर डोटासरा बोले थे कि किरोड़ीलाल मीणा राज्य के कृषि मंत्री बने, लेकिन उन्होंने अपने भाई के टिकट के लिए तीन महीने तक संघर्ष किया। कृषि मंत्री कहते हैं कि भवानी रूठ गई और टिकट मिलते ही भवानी जाग गई। यह क्या तमाशा लगा रखा है। दौसा की जनरल सीट पर एसटी वर्ग से टिकट देने के सवाल पर मदन राठौड़ ने कहा कि हम जातिवादी राजनीति नहीं करते हैं। हम टिकट देने में सेवा और सेवक का ध्यान रखते हैं। हमने सेवा करने वालों को ही टिकट दिया है। ऐसा पहले भी कई बार हुआ है। कांग्रेस ने भी जनरल टिकट पर आरक्षित वर्ग के प्रत्याशी को कई बार टिकट दिया है। राठौड़ ने कहा कि हमारे यहां कोई बागी नहीं है।

राज्यसभा सांसद तिवाड़ी, विधायक गोपाल शर्मा और महापौर कुसुम यादव ने एक साथ सुनी मन की बात

जयपुर (हिंस)। राजधानी में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का आयोजन बड़े स्तर पर सिविल लाइंस विधानसभा के बूथ संख्या 192, जयपुर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, कटेवा नगर में हुआ। कार्यक्रम संयोजक जय सिंह भगासरा ने बताया कि राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, विधायक गोपाल शर्मा और महापौर कुसुम यादव ने एक साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात सुनी। मुख्य कार्यक्रम के बाद सिविल लाइंस क्षेत्र की 38 दिव्यांग प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इनमें होनहार विद्यार्थी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि मोदी के मन की बात में सभी के मन की बात करते हैं। किसी में एक दो किसी में पांच दस गुण होते हैं लेकिन मोदी में सैकड़ों गुण हैं। मोदी मन की बात में बहुत बारीकी वाली चीजों की ओर ध्यान आकृष्ट करते हैं, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर जाते हैं।

इस बार दीपोत्सव छह दिन कार्तिक अमावस्या दो दिन रहेगी

जयपुर (हिंस)। इस बार दीपोत्सव छह दिन मनाया जाएगा। क्योकि कार्तिक मास की अमावस्या दो दिन रहेगी। जिसके कारण दीपोत्सव पांच की जगह छह दिन का रहेगा। इस बार कार्तिक मास की अमावस्या 31 अक्तूबर और 1 नवंबर दो दिन रहेगी। ज्योतिषाचार्य पंडित बनवारी लाल शर्मा अनुसार इस वर्ष कार्तिक अमावस्या 31 अक्तूबर की दोपहर करीब 3 बजे से शुरु होगी और अगले दिन 1 नवंबर को शाम करीब 4 बजकर 40 मिनट पर समाप्त होगी। पुराणों के अनुसार कार्तिक अमावस्या की रात में लक्ष्मी पूजा करने की परंपरा है। इसलिए 31 अक्तूबर की रात को लक्ष्मी पूजन करना चाहिए। 31 अक्तूबर की रात को अमावस्या तिथि रहेगी और 1 नवंबर की रात को कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि रहेगी। दीपोत्सव की शुरुआत मंगलवार 29 अक्तूबर से होगी। इस दिन धनतेरस मनाई जाएगी। धनतेरस पर भगवान धनवंतरि जयंती मनाई जाती है। इस दिन यमराज के लिए दीपक जलाया जाता है और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। बुधवार 30 अक्तूबर को रुप चौदस मनाई जाएगी। इसे नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है। इस दिन उबटन लगाने की परंपरा है।

देश के भविष्य को आकार देने वाली बनेगी बालिकाएं : दीया कुमारी

अजमेर (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह के दौरान कहा कि बालिकाएं देश के भविष्य को आकार देने वाली बनेगी। उन्होंने कहा कि छात्राएं भारत के भविष्य में समाज की पथ प्रदर्शक बनेगी। इनके द्वारा अपनी मेधा एवं नैतिकता के बल पर देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाएगी। इनके द्वारा प्रदेश और देश का नाम रोशन किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मेयो गर्ल्स स्कूल की अपनी पहचान है। इसका ऐतिहासिक पक्ष उज्ज्वल रहा है। आज की तेजी से बदलती दुनिया में बालिकाओं में आवश्यक कौशलों को विकसित करना आवश्यक है। आज की युवा पीढ़ी पूरी क्षमता के साथ अपनी महत्वाकांक्षा को पूर्ण करने में लगी है। बालिकाएं रचनात्मकता के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम पाती है। यह परिवर्तन समाज को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि बालिकाओं द्वारा कई नए वैकल्पिक कैरियर आरंभ किए गए हैं। इसे देश भविष्य में नई दिशा में आगे बढ़ेगा। युवतियां अब भारतीय महिला के पौराणिक सम्मान को पुनर्स्थापित करने के लिए सशक्त होकर कार्य कर रही है। वे अब आधुनिक जीवन मूल्यों को अपनाते हुए अपनी विरासत पर गर्व करने के लिए तत्पर रहने लगी है। ये बालिकाएं सामाजिक रूप से जिम्मेदार होने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति को भी आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। पुरस्कार वितरण समारोह में मेयो कॉलेज जनरल काउंसिल के अध्यक्ष पूर्व महाराजा गज सिंह जोधपुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अकादमिक क्षेत्र तथा व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। मीरां सदन की जीविका निशांत गुप्ता को वर्ष 2025-26 के लिए स्कूल कप्तान चुना गया। इस अवसर पर मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल समिति के अध्यक्ष वीपी सिंह बदनोर, बर्सर डॉ. चंद्रपाल सिंह राठौड़, प्रधानाचार्य नीति भला सैनी सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। दीया कुमारी ने मीडिया कर्मियों से भी कहा कि पुष्कर मेला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है।

पंजाब में फायर एंड इंमरजेंसी सर्विस एक्ट लागू

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब फायर एंड इमरजेंसी सर्विस बिल-2024 को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस बिल के लागू होने से अब हर साल की बजाय तीन साल बाद फायर से जुड़ी एनओसी लेनी होगी। साथ ही बिल में फायर से जुड़ी गतिविधियों का निरीक्षण करने और खराब प्रदर्शन पर सजा देने के लिए नियामक ढांचा भी बनाया जाएगा। इसके अलावा लड़कियों की भर्ती से जुड़े नियम भी बदलेंगे। इससे पहले पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रेगुलेशन बिल को मंजूरी दी गई थी। राज्य में अग्निशमन विभाग को अब सभी इमारतों पर अग्नि कर लगाने का अधिकार होगा। अग्निशमन प्रशासन अग्नि कर पर उपकर भी लगा सकता है। अग्निशमन विभाग जनता को आग की रोकथाम और नियंत्रण से संबंधित अग्रिम सेवाएं प्रदान करने के लिए उपयोगकर्ता शुल्क एकत्र कर सकता है। बिल फायर अधिकारियों के लिए व्यवस्थित निरीक्षण करने के लिए एक रूपरेखा तैयार करता है। फायर अधिकारी आसानी से निरीक्षण करने के योग्य होंगे और किसी इमारत में संभावित आग के खतरों को प्रभावी ढंग से बेअसर करने के लिए निर्देश जारी कर सकेंगे। बिल फायर फाइटरों को आग बुझाने के कार्यों को प्रभावी ढंग से करने की अनुमति देता है।

वाहनों की टककर में तीन की मौत

सोनीपत (हिंस)। गन्नौर क्षेत्र में तीन अलग-अलग सड़क हादसों में तीन व्यक्तियों की दर्दनाक मौत हो गई। बड़ी थाना पुलिस ने तीनों मामलों में केस दर्ज कर आरोपी चालकों की तलाश शुरू कर दी है। पहली घटना शनिवार रात को हुई जब यमुनानगर निवासी जगपाल अपने 14 टायर ट्रक में माल लोड कर दिल्ली जा रहे थे। गन्नौर जीटी रोड पर बड़ी के पास उनके ट्रक के ब्रेक खराब हो गए, तो वे ब्रेक ठीक करने लगे। इसी दौरान, पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनके ट्रक को जोरदार टककर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल जगपाल को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। उनके बेटे राजन की शिकायत पर बड़ी थाना पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दूसरी घटना रविवार सुबह की है जब किलोई गांव निवासी सिक्योरिटी गार्ड कृष्ण बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्री के पास ड्यूटी पर जा रहे थे। इस दौरान एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें टककर मार दी।

शहाबुद्दीन की पत्नी और बेटे ने ली राजद की सदस्यता

पटना (हिंस)। राष्ट्रीय जनता दल से नाराज चल रहा सीवान के भूतपूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन का परिवार आखिरकार लालू प्रसाद की शरण में पहुंच गया है। शहाबुद्दीन की पत्नी हीना शहाब और उनके बेटे ओसामा पूरे लाव-लश्कर के साथ रविवार को राबड़ी आवास पहुंचे और राजद की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव ने दोनों मां-बेटा को पार्टी का पट्टा पहनाकर राजद की सदस्यता दिलाई। सीवान के भूतपूर्व सांसद और बाहुबली मो. शहाबुद्दीन का परिवार लालू प्रसाद और आरजेडी से लंबे समय से नाराज चल रहा था। शहाबुद्दीन के निधन के बाद से ही उनकी पत्नी हीना शहाब यह आरोप लगाती रहीं कि जिस आरजेडी के लिए उनके पति शहाबुद्दीन ने क्या कुछ नहीं किया लेकिन उनका निधन होते ही पार्टी ने उनके परिवार को दरकिनार कर दिया। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में हीना शहाब आरजेडी उम्मीदवार अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ मैदान में उतरी थीं। हालांकि, दोनों को हार का सामना करना पड़ा था। शहाबुद्दीन की पत्नी हीना शहाब और उनके बेटे ओसामा के राजद में शामिल होने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि दोनों के शामिल होने से राजद मजबूत होगी। आज जो स्थिति है वैसी स्थिति में हमलोगों को एक साथ रहना है। ओसामा के साथ हिना शहाब हम लोगों के साथ आई हैं और इससे सीवान के साथ पूरे बिहार में पार्टी को बहुत फायदा होगा और पार्टी बहुत मजबूत होगी।

जैसलमेर और फ्रांस के कारकासोन शहर पॉलिसी ट्रांसफर कर एक दूसरे का सहयोग करेंगे : चैतन्यराज

जैसलमेर (हिंस)। जैसलमेर फोर्ट में फ्रांस के कारकासोन शहर से आए प्रतिनिधिमंडल व जैसलमेर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य चैतन्यराज सिंह के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें दोनों शहरों के नीति हस्तांतरण करने को लेकर संवाद हुआ। चैतन्यराज सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम यूनाइटेड नेशन के *ट्यूनिंग और सिटीज* कांसेप्ट पर आधारित है जिसमें दोनों के शहरों के साझा प्रयासों से पर्यटन को बढ़ावा, वास्तुकला और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण, स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, किले व शहर का मास्टरप्लान तैयार करने सहित कई उद्देश्यों को लेकर सार्थक संवाद हुआ। हमारी कोशिश है कि कारकासोन शहर की तर्ज पर जैसलमेर में पर्यटन को बढ़ावा मिले, इसके लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे। फ्रांस का कारकासोन शहर पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण शहर है जिसमें लगभग चार मिलियन पर्यटक आते है। जैसलमेर और कारकासोन शहर ऐतिहासिक, स्थापत्य कला सहित कई मूल्यों को लेकर समरूपता रखते हैं। इस कार्यक्रम में यूनाइटेड नेशन के ट्यूनिंग और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मामलों के प्रतिनिधि, कारकासोन शहर के डिप्टी मेयर सहित फ्रेंच डेलिगेशन ने जैसलमेर की यात्रा की। कार्यक्रम में जैसलमेर नगर परिषद के आयुक्त लजपाल सिंह सोढा, जैसलमेर यूआईटी के सहायक अभियंता रवि रॉय एवं शहर के मौजिज लोग भी मौजूद रहे। जैसलमेर फोर्ट म्यूजियम ट्रस्ट के निदेशक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम किले में हरराज जी का महल में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जैसलमेर में पर्यटन को बढ़ावा देने, शहर की समृद्ध संस्कृति और धरोहर को संजोने सहित कई उद्देश्यों को लेकर सार्थक सिद्ध होगा। पूर्व राज परिवार के सदस्य चैतन्यराज सिंह को कारकासोन शहर के मानद सिटीजन की उपाधि भी दी गई है।

क्रिकेटर ईशान किशन के पिता जदयू में शामिल होंगे

पटना (हिंस)। क्रिकेटर ईशान किशन के पिता प्रणव कुमार पांडे रविवार को बिहार की सत्तारूढ़ जदयू में शामिल होने जा रहा हैं। वे नवादा में अपने समर्थकों के साथ नीतीश कुमार की पार्टी का दामन थामेंगे।

जदयू प्रदेश कार्यालय में आज मिलन समारोह रखा गया है। इसी मौके पर प्रणव कुमार पांडे उर्फ चुन्नू अपने समर्थकों के साथ यहां पहुंचेंगे और पार्टी की सदस्यता लेंगे।

उल्लेखनीय है कि बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ईशान किशन के पिता प्रणव कुमार पांडे पेशे से बिल्डर हैं। वे परिवार के साथ पटना में रहते हैं।

मुख्यमंत्री ने छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर सड़क मार्ग से विभिन्न छठ घाटों का किया निरीक्षण

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों को लेकर आज सड़क मार्ग से विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान जेपी गंगा पथ से होते हुए दीघा के पाटीपुल घाट, जेपी सेतु पश्चिमी घाट, जेपी सेतु घाट, पहलवान घाट, एलसीटी घाट, कलेक्ट्रेट घाट एवं कृष्णा घाट का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने दीघा के पाटीपुल घाट पर रुककर वहां की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर प्रकार से छठ घाटों को तैयार कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ व्रती सुगमतापूर्वक गंगा नदी के छठ घाटों तक आवागमन कर सकें, इसे ध्यान में रखते हुए रास्तों को दुरूस्त कराएं। छठ व्रतियों को अर्घ्य देने में कोई परेशानी न हो, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। छठ व्रतियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी सुविधाओं का विशेष ख्याल रखें ताकि उन्हें अर्घ्य देने में किसी प्रकार की दिककत न हो।

अयोध्या दीपोत्सव : सरयू के 55 घाटों पर दूसरे दिन वालंटियर द्वारा 10 लाख से अधिक सजाए गए दिए

दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए कुलपति ने उतारी भारी भरकम टीम

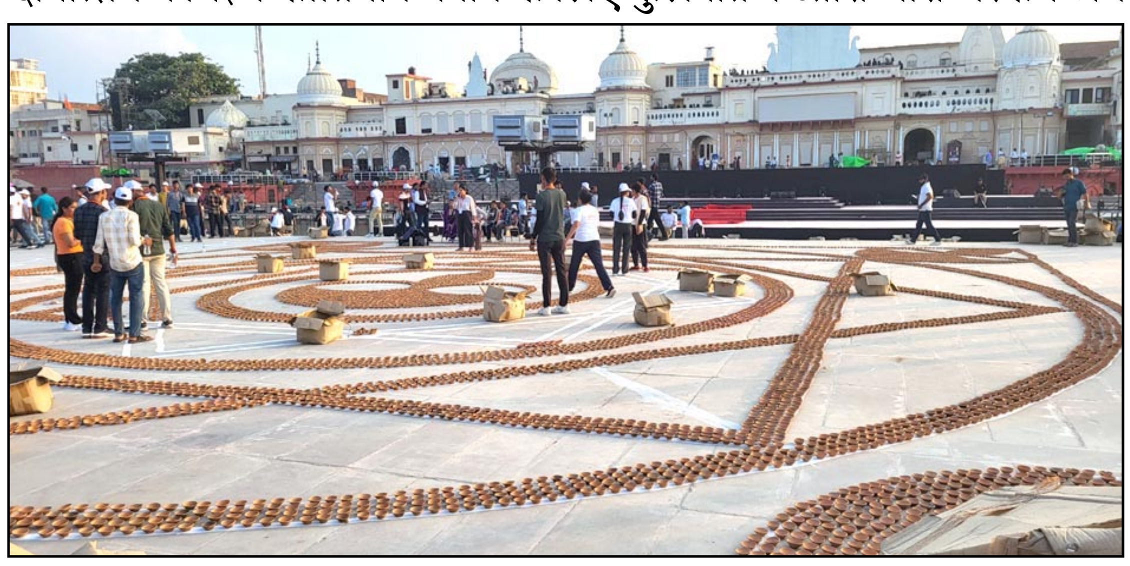

अयोध्या (हिंस)। रामनगरी में आठवें दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए सरयू के 55 घाटों पर भारी भरकम टीम उतारी गई। दो हजार से अधिक पर्यवेक्षक, समन्वयक, घाट प्रभारी, दीप गणना व अन्य सदस्यों की देखरेख में 30 हजार से अधिक वालंटियर घाटों पर 28 लाख दीपों को सजाने का कार्य कर रहे हैं। दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए दूसरे दिन डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय परिसर एवं अन्य संस्थानों के वालंटियर जय श्रीराम के उद्घोष के साथ राम की पैड़ी रवाना किए गए। सभी वालंटियर ने गले में क्यूआर कोड से लैस आईकार्ड, टी-शर्ट व कैप में घाटों पर दीपों को सजाना शुरू किया गया। बीच-बीच में वालंटियर द्वारा जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे और 16 गुणे 16 का दीयों का ब्लाक बना रहे है जिनमें 256 दीए सजा रहे हैं। वहीं 80 हजार दीपों से वालंटियर द्वारा राम की पैड़ी के घाट नंबर 10 पर प्रतीक के रूप में स्वास्तिक बना रहे हैं। यह दीपोत्सव आकर्षण का केंद्र होने के साथ पूरे विश्व को शुभता का संदेश देगा। इसके लिए 150 से अधिक वालंटियर लगाए गए है। विश्वविद्यालय प्रशासन सभी के सहयोग से छोटी दीपावली के दिन 30 अक्तूबर को 28 लाख दीयों में तेल, बाती लगाकर देर शाम प्रज्ज्वलित करने के साथ एक नया विश्व रिकार्ड कायम करेंगे। दूसरी ओर घाटों पर घाट प्रभारी व समन्वयक द्वारा समय-समय पर वालंटियर को दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे हैं। बहुत ही सावधानी से वालंटियर गत्तों से दीए निकालकर घाटों पर बिछाने का कार्य कर रहे हैं। इन वालंटियर को घाटों पर स्वच्छ पानी पीने की व्यवस्था सामग्री संयोजक प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला व प्रो. गंगाराम मिश्र की देखरेख में की गई है। सभी को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त वांलटियर के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। भोजन समिति के संयोजक प्रोफेसर चयन कुमार मिश्र व उनके सहयोगियों द्वारा भजन संध्या स्थल पर वालंटियर को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव दिनेश कुमार मौर्य द्वारा नगर निगम की मदद से घाटों की स्वच्छता के लिए भारी भरकम टीम उतार दी गई है। इनके द्वारा घाटों की साफ-सफाई कराई जा रही है। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रोफेसर संत शरण मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव के विश्व कीर्तिमान के लिए विश्वविद्यालय परिसर सहित 14 महाविद्यालय, 37 इण्टर कॉलेज, 40 एनजीओ के 30 हजार वालंटियर लगाए गए हैं। सरयू के 55 घाटों पर 30 एमएल दीए के 16 गुणे 16 का एक ब्लाक वालंटियर द्वारा बनाया जा रहा है। जिनमें 256 दीए बिछाये जा रहे हैं। दीपोत्सव के दिन 30 एमएल दीए में 30 एमएल सरसों को इस्तेमाल किया जाएगा। घाट प्रभारी व समन्वयक की देखरेख में बड़ी सावधानी से दीए में तेल डालने का काम करेंगे। दीया बिछाने का कार्य 28 अक्तूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। 29 से घाटों पर लगे दीए की गणना की जाएगी। वहीं 30 अक्तूबर को घाटों पर लगे दीयों में बाती, तेल डालकर व प्रज्ज्वलन करके विश्व रिकार्ड बनाएंगे। मीडिया प्रभारी डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि कुलपति के कुशल प्रबंधन में दीपोत्सव की सफलता के लिए विश्वविद्यालय, सम्बद्ध महाविद्यालयों, इण्टर कॉलेज व स्वयंसेवी संस्थाओं के भारी भरकम टीम उतार दी गई है। सभी दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य को अंजाम दे रहे है।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए, त्योहारी मांग बढ़ने से सभी तेल-तिलहनों में सुधार दर्ज हुआ

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजारों में तेजी और देश में त्योहारी मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बंद हुए। इस तेजी के कारण सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार देखने को मिला। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पामतेल (सीपीओ) का भाव 1,200 डॉलर प्रति टन हो गया जो उसके पिछले सप्ताह 1,135-1,140 डॉलर प्रति टन था। इसी तरह सोयाबीन तेल का दाम 1,140-1,045 डॉलर प्रति टन से बढ़कर समीक्षाधीन सप्ताह में 1,242-1,247 डॉलर प्रति टन हो गया। इसके अलावा त्योहारी मांग बढ़ने से सभी तेल-तिलहनों में सुधार दर्ज हुआ। सूत्रों ने कहा कि सरकार को सूरजमुखी तेल की ही तरह आयात होने वाले सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन तेल के लिए भी बाजार भाव के हिसाब से आयात शुल्क मूल्य (टैरिफ) निर्धारण की व्यवस्था कर देनी चाहिये, क्योंकि आयात शुल्क में वृद्धि के बाद सूरजमुखी और बाकी तेल के आयात शुल्क मूल्य निर्धारण के अलग-अलग मानदंड अपनाने की वजह से अब इन्हीं खाद्य तेलों के आयात भाव का अंतर काफी बढ़ जाता है, जिससे सूरजमुखी महंगा बैठता है। इससे इसका आयात प्रभावित हो सकता है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,475-6,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 400 रुपये की तेजी के साथ 13,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 45 रुपये और 55 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 2,160-2,260 रुपये और 2,160-2,285 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 115 रुपये और 110 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,760-4,810 रुपये और 4,460-4,695 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 550 रुपये, 500 रुपये और 450 रुपये बढ़कर क्रमशः 13,650 रुपये, 13,150 रुपये और 10,050 रुपये क्विंटल पर बंद हुए।

न्यूज ब्रीफ

जियो भारत 4जी फोन सिर्फ 699 रुपये में उपलब्ध, दिवाली ऑफर सभी ग्राहकों के लिए

मुंबई। दूरसंचार कंपनी जियो फेस्टिव सीजन में रिलायंस की तरफ से अभी हाल ही में रिचार्ज प्लान में कई तरह के उपहार का ऐलान किया गया था। वहीं अब रिलायंस जियो ने अपने जियोभारत 4जी फोन की कीमतों में बड़ी कटौती की है। दिवाली के इस खास ऑफर के तहत अब जियोभारत 4जी फोन सिर्फ 699 रुपये में उपलब्ध होगा, जो पहले 999 रुपये में मिल रहा था। कंपनी ने इस सीमित समय के ऑफर की घोषणा करते हुए कहा कि यह ऑफर सभी यूज़र्स के लिए उपलब्ध है। इस फोन में 1.77 इंच का क्यूवीजीए टीएफटी डिस्प्ले है और इसमें 1000एमएएच की रिमूवेबल बैटरी दी गई है। फोन में टॉर्च लाइट, एफएम रेडियो, हेडफोन जैक और 0.3 मेगापिक्सल का कैमरा है। यह फोन 128जीबी तक के एसडी कार्ड को सपोर्ट करता है, जिससे स्टोरेज बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, इस फोन में केवल जियो का सिम इस्तेमाल किया जा सकता है।

पेट्रोल और डीजल कीमतें स्थिर, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के घटने और बढ़ने के दौरान घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव रविवार को स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.14 प्रतिशत उबलकर 71.69 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया जबकि लंदन ब्रेंट क्रूड 0.20 प्रतिशत उतरकर 75.90 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 प्रति लीटर, डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर है।

डीएलएफ की बिक्री बुकिंग अप्रैल-सितंबर में 66 फीसदी बढ़कर 7094 करोड़, पिछले साल इसी अवधि में इसकी बिक्री बुकिंग 4,268 करोड़ रुपये थी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग मजबूत आवास मांग के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 66 प्रतिशत बढ़कर 7,094 करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल इसी अवधि में इसकी बिक्री बुकिंग 4,268 करोड़ रुपये थी। कंपनी पहली तिमाही में मजबूत प्रदर्शन के कारण अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान बिक्री बुकिंग में वृद्धि हासिल करने में सक्षम रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान डीएलएफ की बिक्री बुकिंग तीन गुना होकर लगभग 6,400 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 2,040 करोड़ रुपये थी। हालांकि, 2024-25 की दूसरी तिमाही में बिक्री बुकिंग 69 फीसदी घटकर 692 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले समान अवधि की 2,228 करोड़ रुपये थी।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा : लगातार चौथे सप्ताह बाजार गिरावट का शिकार

सेंसेक्स 1,822 अंक और निफ्टी 673 अंक टूटे

निवेशकों को 20.72 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली।

घरेलू शेयर बाजार के लिए 25 अक्टूबर को खत्म हुआ कारोबारी सप्ताह एक बार फिर बड़ी गिरावट वाला सप्ताह साबित हुआ। शेयर बाजार में लगातार चौथे सप्ताह कमजोरी बनी रही। इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक दो प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए। बीएसई का सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 1,822.46 अंक यानी 2.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 79,402.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 673.25 अंक यानी 2.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस गिरावट के कारण अगस्त 2023 के बाद घरेलू शेयर बाजार में पहली बार सबसे लंबी साप्ताहिक बिकवाली का सिलसिला देखा गया। शेयर बाजार में साप्ताहिक आधार पर आई इस कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 25 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के बाद घट कर 437.43 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि इसके पहले के यानी 18 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के बाद इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 458.15 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को 21 से 25 अक्टूबर के साप्ताहिक कारोबार से करीब 20.72 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। 21 से 25 अक्टूबर तक के कारोबार के दौरान बीएसई के लार्ज कैप इंडेक्स में 3.21 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। लार्ज कैप इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से एबीबी इंडिया, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, सिमेंस, इंडसइंड बैंक, बंधन बैंक, इंडस टावर्स, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, अडाणी एंटरप्राइजेज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और डीएलएफ के शेयर में साप्ताहिक आधार पर 10 से लेकर 22 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। लार्ज कैप की तरह बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में भी पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान 5.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से सुप्रीम इंडस्ट्रीज, राजेश एक्सपोर्ट्स, एलएंडटी फाइनेंस, वोडाफोन आइडिया, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स और एसजेवीएन के शेयर 10 से लेकर 15 प्रतिशत तक लुढ़क गए। पिछले सप्ताह सबसे अधिक गिरावट बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स में दर्ज की गई। 21 से 25 अक्टूबर के बीच हुए कारोबार के दौरान स्मॉलकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 7.3 प्रतिशत टूट गया। स्मॉलकैप कंपनियों में से आरबीएल बैंक, आईआईएफएल सिक्योरिटीज, पीएनसी इंफ्राटेक, पूनावाला फिनकॉर्प, हुहतमाकी इंडिया, जीबीएस फार्मा, चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और केपीआईटी टेक्नोलॉजी के शेयरों में 20 से लेकर 32 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। हालांकि स्मॉलकैप की कुछ कंपनियां ने साप्ताहिक आधार पर 10 से लेकर 15 प्रतिशत तक मुनाफा भी कमाया। इन कंपनियों में सिटी यूनियन बैंक, केयर रेटिंग्स, दीपक फर्टिलाइजर्स, टाईमेक्स ग्रुप इंडिया और अंबर एंटरप्राइजेज इंडिया के नाम शामिल हैं। मार्केट प्राइस वैल्यू के हिसाब से देखा जाए तो शेयर बाजार की हलचल की वजह से 25 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर को सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ा। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और लार्सन एंड टूब्रो मार्केट प्राइस वैल्यू में गिरावट के मामले में दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के मार्केट प्राइस वैल्यू में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान भी मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और चीन द्वारा दिए गए आर्थिक राहत पैकेज के कारण विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाली करते रहे। विदेशी निवेशकों के जोरदार आउटफ्लो के कारण मार्केट सेंटीमेंट लगातार बिगड़ते गए। इसके साथ ही मौजूदा वित्त वर्ष की सितंबर में खत्म हुई दूसरी तिमाही के दौरान कंपनियों के कमजोर नतीजों ने भी बाजार की गिरावट में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण भी ग्लोबल सेंटीमेंट्स में पॉजिटिविटी नहीं आ सकी है, जिसका असर अमेरिका समय दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में गिरावट के रूप में नजर आ रहा है। अलकनंदा फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रमेश गौतम के मुताबिक घरेलू बाजार के ऊंचे वैल्यूएशन के कारण भी लंबे समय से करेक्शन होने की संभावना जताई जा रही थी। ऐसे में मिडिल ईस्ट के तनाव और घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों ने करेक्शन के लिए एक ट्रिगर का काम किया है, जिसकी वजह से अक्टूबर के महीने में लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है। इस बिकवाली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो चुके हैं। रमेश गौतम का कहना है कि वैश्विक मोर्चे से अभी भी निगेटिविटी बढ़ाने की ही खबरें आ रही हैं, इसलिए घरेलू शेयर बाजार में भी जल्दी सुधार आने के आसार कम ही हैं।

भारत में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावनाः एरिक्सन

नई दिल्ली।

भारत में 4जी, 5जी सेवाओं में अब भी काफी अवसर

स्वीडन की दूरसंचार उपकरण विनिर्माता कंपनी एरिक्सन का कहना है कि भारत में अंतिम उपयोगकर्ता तक डेटा खपत बढ़ने से उसकी वृद्धि का अगला चरण नेटवर्क सघनीकरण (नेटवर्क डेंसिफिकेशन) से आगे बढ़ेगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। एरिक्सन के भारत में प्रबंध निदेशक और दक्षिण-पूर्व एशिया, ओसियाना और भारतीय बाजार क्षेत्र के लिए एक अधिकारी ने बताया कि भारत में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावना है, और तैनाती की संख्या के मामले में यह जल्द ही अमेरिका के आंकड़े को पार कर जाएगी। अधिकारी ने कहा कि वृद्धि का अगला चरण मुख्य रूप से नेटवर्क उपयोग को बढ़ाने के लिए नेटवर्क सघनीकरण के माध्यम से बढ़ती ट्रैफिक' जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। नेटवर्क का इस्तेमाल बढ़ने से नेटवर्क सघन होता है। नेटवर्क सघनीकरण नेटवर्क में नोड्स का घनत्व बढ़ाने की प्रक्रिया है, जिससे क्षमता, कवरेज सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है। एरिक्सन का अनुमान है कि भारत में डेटा ट्रैफिक 2029 तक प्रति स्मार्टफोन उपयोगकर्ता प्रतिमाह 29 जीबी से बढ़कर 68 जीबी तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि यह रुख जारी रहता है तो सेवाप्रदाता उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बढ़ाने के लिए नेटवर्क को सघन करेंगे। भारत में 2022 की दूसरी छमाही और 2023 की शुरुआत में 5जी की तेजी से शुरुआत की वजह से एरिक्सन और अन्य दूरसंचार उपकरण विनिर्माताओं के कारोबार में काफी तेजी आई थी। हालांकि, अब उनके कारोबार की रफ्तार धीमी हुई है। एरिक्सन ने दक्षिण-पूर्व एशिया, ओसियाना और भारतीय क्षेत्र में सितंबर, 2024 की तीसरी तिमाही के लिए कारोबार में सालाना आधार पर 44 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है।

अगस्त में ईएसआई योजना में 20.74 लाख नए कर्मचारी शामिल हुए

नई दिल्ली।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बताया कि अगस्त, 2024 में ईएसआई योजना के तहत करीब 20.74 लाख नए श्रमिक जोड़े गए हैं। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार नए पंजीकरण में 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के लगभग 9.89 लाख युवा कर्मचारी शामिल हैं। पेरोल आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि ईएसआई योजना में नामांकित महिला सदस्यों की कुल संख्या 4.14 लाख थी।

आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त 2024 के महीने में लगभग 28,917 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी। वर्ष दर वर्ष विश्लेषण से पता चलता है कि अगस्त 2023 की तुलना में शुद्ध पंजीकरण में 6.80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा वर्ष दर वर्ष विश्लेषण से पता चलता है कि पिछले वर्ष अगस्त की तुलना में शुद्ध पंजीकरण में 6.80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा अगस्त, 2024 के महीने में कुल 60 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत किया गया है, जो समाज के हर वर्ग को इसका लाभ पहुंचाने के लिए ईएसआईसी की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है।

जर्मन कंडोम कंपनी ने एक नया ऐप कैमडोम लांच किया

न्यूयॉर्क।

यौन संक्रामक रोगों से सुरक्षा तो नहीं, लेकिन आपके यौन जीवन को सुरक्षित रखने के लिए अब डिजिटल कंडोम उपलब्ध हैं। जर्मन कंडोम कंपनी बिली बॉय ने एक नया ऐप लॉन्च किया है, जिसका नाम कैमडोम है। यह ऐप आपकी सहमति के बिना किसी को भी तस्वीरें लेने, वीडियो बनाने या ऑडियो रिकॉर्ड करने से रोकता है।

यह ऐप आपकी सहमति के बिना किसी को भी तस्वीरें लेने, वीडियो बनाने से रोकेगा

कैमडोम के निर्माता इसे डिजिटल कंडोम कहते हैं और दावा करते हैं कि इसका उपयोग असली कंडोम के इस्तेमाल से भी आसान है। इसका उद्देश्य रिवेंज पोर्न को रोकना है, जो कि आज के युग में एक गंभीर समस्या बन चुका है। अक्सर, यौन संबंधों के दौरान, एक या दोनों पक्षों की सहमति के बिना अश्लील सामग्री को रिकॉर्ड किया जाता है, जो बाद में बड़े पैमाने पर साझा कर दिया जाता है। कैमडोम ऐप का इस्तेमाल करना काफी सरल है। उपयोगकर्ता अपने स्मार्टफोन को एक-दूसरे के करीब रखते हैं और सभी कैमरों और माइक्रोफोनों को ब्लॉक करने के लिए एक वर्चुअल बटन को स्वाइप करते हैं। यदि कोई व्यक्ति चुपके से तस्वीर लेने की कोशिश करता है, तो एक अलार्म बजता है, जो पार्टनर को संभावित सुरक्षा उल्लंघन के बारे में सचेत करता है। इस ऐप का विकास उन यौन रूप से सक्रिय लोगों को रिवेंज पोर्न के मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और व्यावसायिक नुकसान से बचाने के लिए किया गया है। रिवेंज पोर्न, जहां बिना सहमति के यौन सामग्री साझा की जाती है, हाल के वर्षों में एक गंभीर अपराध बन गया है, और कई सेलिब्रिटी और आम लोग इस समस्या का सामना कर चुके हैं। कैमडोम के निर्माता फेलिप अल्मेडा का कहना है कि स्मार्टफोन अब हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं और उन पर संवेदनशील डेटा होता है। उन्होंने कहा कि हमने पहला ऐप बनाया है जो ब्लूटूथ के माध्यम से आपके कैमरे और माइक्रोफोन को ब्लॉक कर सकता है। अल्मेडा का उद्देश्य डिजिटल पीढ़ी को उन खतरों से बचाना है जिनसे सामान्य कंडोम नहीं निपट सकते, जैसे कि सेक्स के दौरान गैर-सहमति वाले वीडियो का लीक होना। इस नवाचार के जरिए, बिली बॉय एक बार फिर यौन सुरक्षा के क्षेत्र में एक नया कदम उठाने का प्रयास कर रहा है।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में शेयरों से 85,790 करोड़ निकाले

एफपीआई की निरंतर बिकवाली से बाजार की धारणा प्रभावित हुई

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का सिलसिला जारी है। इस महीने एफपीआई ने अब तक भारतीय बाजार से 85,790 करोड़ रुपये या 10.2 अरब डॉलर की निकासी की है। चीन के प्रोत्साहन उपायों, वहां शेयरों के आकर्षक मूल्यांकन तथा घरेलू शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। विदेशी कोषों की निकासी के मामले में अक्टूबर का महीना सबसे खराब साबित हो रहा है। मार्च, 2020 में, एफपीआई ने शेयरों से 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले सितंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 57,724 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो उनके निवेश का नौ माह का उच्चस्तर है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जून से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लगातार लिवाल बने हुए थे। अप्रैल-मई में उन्होंने जरूर 34,252 करोड़ रुपये की निकासी की थी। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि भविष्य में एफपीआई का भारतीय बाजार में निवेश भू-राजनीतिक स्थिति और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव जैसे वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति का रुख, कंपनियों के तिमाही नतीजे और त्योहारी सत्र की मांग पर एफपीआई की निगाह रहेगी। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने एक से 25 अक्टूबर के बीच भारतीय शेयर बाजार से 85,790 करोड़ रुपये की निकासी की है। एफपीआई की निरंतर बिकवाली ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है, जिससे एनएसई का निफ्टी अपने शीर्ष स्तर से आठ प्रतिशत नीचे आ गया है। एफपीआई की निरंतर बिकवाली के रुख में तत्काल बदलाव आने की संभावना नहीं है। चीन के प्रोत्साहन उपायों की वजह से एफपीआई वहां के बाजार का रुख कर रहे हैं। इसके अलावा भारत में मूल्यांकन ऊंचा होने की वजह से भी एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान बॉन्ड से सामान्य सीमा के माध्यम से 5,008 करोड़ रुपये निकाले हैं और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग (वीआरआर) से 410 करोड़ रुपये का निवेश किया।

यस बैंक का मुनाफा सितंबर तिमाही में बढ़कर 566.59 करोड़ हुआ, बीते वित्त वर्ष बैंक का मुनाफा 228.64 करोड़ रुपए रहा था

मुंबई। निजी क्षेत्र के यस बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए 147 प्रतिशत बढ़कर 566.59 करोड़ रुपए रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का मुनाफा 228.64 करोड़ रुपए रहा था। पिछली अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का मुनाफा 516 करोड़ रुपए रहा था। समग्र कर्ज में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि तथा शुद्ध ब्याज मार्जिन के 2.4 प्रतिशत तक बढ़ने के कारण समीक्षाधीन तिमाही में मुख्य (कोर) शुद्ध ब्याज आय 14.3 प्रतिशत बढ़कर 2,200 करोड़ रुपए हो गई। बैंक की गैर-ब्याज आय 16.3 प्रतिशत बढ़कर 1,407 करोड़ रुपए हो गई। कुल जमा राशि 18 प्रतिशत रही, जो उद्योग-व्यापी प्रवृत्ति के विपरीत है कि यह ऋण वृद्धि से कम रही। बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) प्रशांत कुमार ने कहा कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जमा में 17-18 प्रतिशत और कर्ज में 13-14 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सितंबर 2024 के अंत तक घटकर सकल कर्ज का 1.6 प्रतिशत रह गई, जबकि एक साल पहले यह दो प्रतिशत थी। इसी प्रकार शुद्ध एनपीए घटकर 0.42 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत में 0.43 प्रतिशत था। एकीकृत आधार पर बैंक का मुनाफा 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सितंबर तिमाही में 12,948 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 10,896 करोड़ रुपये थी।

गंभीर नहीं अनुभवी खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन से हारी टीम इंडिया : कार्तिक

नई दिल्ली।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दोनो ही टेस्ट मैचों में भारतीय टीम की हार के लिए अनुभवी खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। कार्तिक ने कहा कि हाल के लिए कोच गौतम गंभीर को दोष नहीं दिया जा सकता है। भारतीय टीम शुरुआती दोनो ही टेस्ट हार गयी है। पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उसे 113 रन से हार का सामना करना पड़ा था। कार्तिक के अलावा पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने भी हार के लिए अनुभवी खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन को कारण बताया है। इस सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली रनों के लिए तरसते दिखे। वहीं स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी भी कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई। कार्तिक ने कहा, 'हां। सीरीज में हार का दोष अनुभवी खिलाड़ियों को दिया जाना चाहिये। वे स्वयं मानेंगे कि उनका प्रदर्शन बहतर होना चाहिये था। उन्होंने कहा, 'अगर आप जीत का जश्न मना सकते हैं और प्रशंसक यह महसूस करते हैं कि वे कितने महत्वपूर्ण हैं तो जब हार होती है और आप पर हमला किया जाता है तो मुझे लगता है कि उनमें इसका सामना करने की हिम्मत होनी चाहिए। कार्तिक ने कहा कि अनुभवी खिलाड़ी हार की जिम्मेदारी स्वयं लेंगे और स्वीकार करेंगे कि यह उनकी सर्वश्रेष्ठ सीरीज नहीं थी। उन्होंने कहा, 'अगर आप उनमें से हर एक से व्यक्तिगत रूप से पूछें कि वे सीरीज के बारे में क्या सोचते हैं तो मुझे नहीं लगता कि वे पूरी टीम के प्रदर्शन के बारे में कुछ खास कह पाएंगे और उनसे यह पूछना उचित होगा कि भारत में टेस्ट क्रिकेट के भविष्य और भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है। कार्तिक ने कहा, 'मैं उनमें से प्रत्येक को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। वे कहेंगे कि उनके लिए यह अच्छी सीरीज नहीं थी। फिर सवाल यह उठता है कि उन्हें बेहतर होने के लिए क्या करने की जरूरत है और यह एक मौजूदा सवाल है। भारत के दो टेस्ट मैच में रणनीति के असफल होने और बार-बार बल्लेबाजों के असफल होने से नए मुख्य कोच गौतम गंभीर भी आलोचनाओं के निशाने पर हैं लेकिन मांजरेकर ने इस पूर्व सलामी बल्लेबाज का समर्थन किया।

न्यूज़ ब्रीफ

सचिन ने न्यूजीलैंड की प्रशंसा की

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टीम के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करने वाली

न्यूजीलैंड टीम की जमकर प्रशंसा की है। न्यूजीलैंड ने 68 साल में पहली बार भारतीय धरती पर कोई टेस्ट सीरीज जीती है। सचिन ने न्यूजीलैंड के स्पिनर मिचेल सैंटनर की सराहना की है। सैंटनर ने पुणे टेस्ट मैच में कुल 13 विकेट झटके। दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड की टीम 2-0 से आगे हो गयी है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया लिखा, ' किसी भी मेहमान टीम के लिए भारत में टेस्ट सीरीज जीतना सपना होता है और न्यूजीलैंड ने इसे साकार करने के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे परिणाम अच्छे ऑलराउंरों वाली टीम से ही मिलते हैं। साथ ही कहा कि सैंटनर ने यहां काफी अच्छा पदर्शन कर कुल 13 विकेट लि। . इस शानदार उपलब्धि के लिए उन्हे बधाई भारत की अपनी घरेलू धरत पर लगातार 18 टेस्ट सीरीज के बाद यह पहली सीरीज हार है। एक समय स्पिन गेंदबाजी को आसानी से खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज सैंटनर के सामने टिक नहीं पाये। इस मैच में न्यूजीलैंड की ओर से रखे गए जीत के लिए 359 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 245 रन पर सिमट गई। यशस्वी जायसवाल ने 77 और रविंद्र जडेजा ने 42 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज कीवी गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाया। बेंगलुरू में पहले टेस्ट में 46 रन पर आउट होने वाली भारतीय टीम की 2012-13 में इंग्लैंड के हाथों हारने के बाद यह सीरीज की पहली हार है।

एक सीरीज हारने से रणनीति नहीं बदल सकते : रोहित

पुणे । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार को निराशाजनक बताया है पर कहा कि इससे कुछ निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते हैं न ही अपनी रणनीति बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए शांति से इस बारे में बात करनी होगी, किसी प्रकार का अलग तरीका अपनाना फायदेमंद नहीं रहेगा। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। रोहित ने कहा,'कुछ खिलाड़ियों से शांत माहौल में बातचीत करने की जरूरत है। उन्हें यह बताना जरूरी है कि वे कहां है और टीम उनसे क्या उम्मीद रखती है।' अब उनका लक्ष्य खिलाड़ियों को वास्तविकता से अवगत कराना है पर इस दौरान वह कोई विवाद नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा,'मुझे नहीं लगता कि आपको उन्हें एक-एक करके टीम रूम में बिठाने, उनकी पारियों को देखने और उन्हें यह बताने की ज़रूरत है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। रोहित ने कहा, 'केवल इसलिए कि हम एक सीरीज हार गए हैं तो हमें अलग तरह से बात करने या अलग तरीके अपनाने की जरूरत है। हमें केवल उन हालातों से बाहर आने की जरुरतत है।' रोहित ने कहा कि उन्हें अपने खिलाड़ियों पर भरोसा है, जिन्होंने भारत को कई मैच जिताए हैं। भारतीय कप्तान ने कहा,'मुझे किसी की क्षमता पर कोई संदेह नहीं है। इस हार से सीख लेते हुए बल्लेबाजों को अपनी तय रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा। साथ ही अपने पर भरोसा रखना होगा पर मैं किसी प्रकार का गैरजरुरी दबाव नहीं बनाना चाहूंगा।

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उतर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी में

उतरने की संभावनाएं हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली कैपिटल्स अब ऋषभ को कप्तान के तौर पर रिटेन नहीं करना चाहती है। सभी 10 टीमों को आने वाले दिनों में अपनी रिटेंशन लिस्ट जमा करनी हैं। ऐसे में सभी फ्रेंचाइजी अपनी सूची को अंतिम रुप देना चाहती हैं। प्राप्त जानाकरी के अनुसार ऋषभ को प्रबंधन एक बार फिर कप्तान बनाने को लेकर स्पष्ट नहीं है। प्रबंधन इस मामले पर संशय में है। ऋषभ साल 2016 से दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए हैं, लेकिन अब उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। रिटेंशन लिस्ट जमा करने की समय सीमा के करीब आने के साथ, यह अटकलें तेज हो गई हैं कि उन्हें रिटेन नहीं किया जाएगा। वह हालांकि आईपीएल में सबसे चर्चित नामों में से एक हैं और उनकी टीम में भूमिका हमेशा अहम रही है।

ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे दौरे के लिए पाकिस्तान टीम की घोषणा

लाहौर।
इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज करने के बाद पाकिस्तान की टीम को अगले महीने सीमित ओवरों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद जिम्बाब्वे का दौरा करना है। ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान टीम को तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इस दौरे की शुरुआत 4 नवंबर से होगी। इसके बाद पाकिस्तान की टीम जिम्बाब्वे जाएगी, जहां उसे 3 वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने हैं। दोनों दौरों के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को टीम का ऐलान कर दिया है। हालांकि दौरे के लिए चुनी गई टीम के साथ कप्तान के नाम का ऐलान अभी नहीं किया गया है।

पाकिस्तान क्रिकेट के चयनकर्ताओं ने दोनों दौरे लिए कई युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के साथ नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी, जिन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दो टेस्ट मैचों से ब्रेक दिया गया था, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैचों के लिए वापस आ गए हैं, लेकिन उन्हें जिम्बाब्वे दौरे के लिए आराम दिया जाएगा। इसी तरह, मोहम्मद रिजवान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों सीरीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैचों से आराम दिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम: आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अराफात मिन्हास, बाबर आजम, फैसल अकरम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), कामरान गुलाम, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सईम अयूब, सलमान अली आगा, शाहीन शाह अफरीदी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टी20 टीम: अराफात मिन्हास, बाबर आजम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), जहांदाद खान, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, ओमैर बिन यूसुफ, साहिबजादा फरहान, सलमान अली आगा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मोकिम, उस्मान खान।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए वनडे टीम: आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, अहमद दनियाल, फैसल अकरम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), कामरान गुलाम, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मुहम्मद इरफान खान, सईम अयूब, सलमान अली आगा, शाहनवाज दहानी और तैय्यब ताहिर।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए टी20 टीम: अहमद दनियाल, अराफात मिन्हास, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), जहांदाद खान, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद हसनैन, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, कासिम अकरम, साहिबजादा फरहान, सलमान अली आगा, सुफियान मोकिम, तैय्यब ताहिर और उस्मान खान।

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच पहला वनडे मैच 4 नवंबर को खेला जाएगा। इसके बाद 8 नवंबर को दूसरा वनडे और 10 नवंबर को तीसरा वनडे मैच खेला जाएगा।

वनडे सीरीज के बाद टी20 सीरीज खेली जाएगी। पहला टी20 मैच 14 नवंबर, दूसरा 16 नवंबर और तीसरा 18 नवंबर को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के बाद पाकिस्तान जिम्बाब्वे जाएगी। जहां दोनों टीमों के बीच पहला वनडे 24 नवंबर को, दूसरा 26 नवंबर को और तीसरा 28 नवंबर को खेला जाएगा। तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। पहला टी20 मैच एक दिसंबर को, दूसरा 3 दिसंबर और तीसरा 5 दिसंबर को खेला जाएगा।

अब भी मैक्सवेल ने नहीं छोड़ी टेस्ट क्रिकेट खेलने की उम्मीद

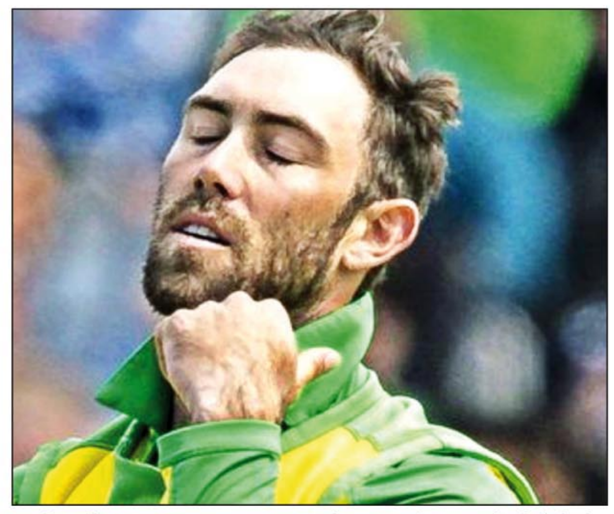

सिडनी।
ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल सीमित ओवरों के एक बड़े खिलाड़ी रहे हैं पर टेस्ट में उन्हें खेलने का अधिक अवसर नहीं मिला है। वह केवल सात मैच ही खेल पाये हैं। मैक्सवेल ने कहा कि उनके अंदर अभी काफी टेस्ट क्रिकेट बचा हुआ है और अवसर मिला तो वह खेलेंगे। वह पिछले कई साल से टेस्ट क्रिकेट से दूर हैं। इस ऑलराउंडर ने कहा कि अगर वह अपने टेस्ट खेलने के सपने को छोड़ देते हैं, तो यह उस युवा मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा, जिसने हमेशा लंबे प्रारूप में खेलने का सपना हमेशा से देखा था। मैक्सवेल के नाम सीमित ओवरों की क्रिकेट में कई उपलब्धियां हैं। उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट 2017 में ऑस्ट्रेलिया के बांग्लादेश दौरे में खेला था। उन्होंने कहा, अगर मैंने टेस्ट क्रिकेट खेलने का सपना छोड़ दिया तो यह उस युवा ग्लेन मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा, जिसने बचपन से ही बैगी ग्रीन कैप पहनने का सपना देखा था। अब भी मेरी टेस्ट खेलने की उम्मीद बनी हुई है, इसलिए मैं खेलने का सपना देखता रहूंगा।

भारत के खिलाफ हालांकि आगामी सीरीज में उन्हें टीम में शायद ही जगह मिले। मैक्सवेल को उम्मीद है कि जनवरी में श्रीलंका के दौरे के लिए वह टेस्ट टीम में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बड़ा हुआ तो मैं टेस्ट क्रिकेट में खेलना चाहता था। मेरा मानना है कि मुझे टेस्ट क्रिकेट में समय से थोड़ा पहले पदार्पण का मौका मिला। यह सब कुछ बहुत जल्दी हुआ और मुझे उस समय प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलने का उतना अनुभव नहीं था जितना कि मैं चाहता था, इस कारया मैरा प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। उनका टेस्ट क्रिकेट के प्रति लगाव अब भी बना हुआ है। इसलिए वह अभी भी टीम में जगह मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।

वेस्टइंडीज ने तीसरा टी20 जीता, श्रीलंका ने जीती सीरीज

कोलंबो।
वेस्टइंडीज ने वर्षा प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में डकवर्थ-लुईस नीति से श्रीलंका को आठ विकेट से हरा दिया। श्रीलंका ने पहले दो मैच जीते थे। ऐसे में उसने 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। वेस्टइंडीज की जीत में एविन लुईस की अहम भूमिका रही। लुइस ने 102 रनों की पारी खेली। लुईस ने छक्का लगातार 61 गेंद में अपना पांचवां शतक लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस सलामी बल्लेबाज ने 51 रन के स्कोर पर टखना मुड़ने के बाद भी खेलना जारी रखते हुए शतकीय पारी खेली।

श्रीलंका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 156 रन बनाए थे। इसके बाद बारिश के कारण पांच घंटे खेल रुका रहा जिससे मैच को 23 ओवर का कर दिया गया। इस प्रकार वेस्टइंडीज को जीत के लिए 23 ओवरों में 195 रन का संशोधित लक्ष्य मिला जिसे टीम ने 22 ओवर में दो विकेट पर 196 रन बनाकर हासिल कर लिया। श्रीलंका की ओर से दोनों सलामी बल्लेबाजों पथुम निसांका ने 56 और अविष्का फर्नांडो ने 34 रन बनाये। इस प्रकार इन दोनो ने पहले विकेट के लिए 17 आवेर में 81 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। एक बार फिर जब खेल शुरू हुआ तो कुसाल मेंडिस ने नाबाद 56 रन बना दिये।

फिटनेस को बेहतर बनाने ताइक्कांडो और कराटे का अभ्यास कर रही दीक्षा

गुरुग्राम।
महिला गोल्फर दीक्षा डागर आजकल अपनी फिटनेस को बेहतरत बनाने में लगी हैं। इसी के तहत ही वह आजकल ताइक्कांडो और कराटे का अभ्यास कर रही है। दीक्षा कुछ समय पहले एक सड़के हादसे में घायल हो गयीं थी। उसके बाद से ही वह फिटनेस की समस्या से जूझ रही हैं। इससे उनके प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है।

दीक्षा ने कहा, ''मैं अपनी फिटनेस के साथ ताकत हासिल करने पर काम कर रही हूं। मैं इसके लिए कराटे सीख रही हूं और नियमित तौर पर जिम जा रही हूं।'' अपने पेशेवर करियर में तीन खिताब जीतने वाली दीक्षा ने कहा, '' मैंने एक सुबह पार्क में जॉगिंग करते समय कुछ बच्चों को कराटे करते हुए देखा और फिर मैंने भी इसे सीखना शुरू कर दिया। इस युवा खिलाडी ने कहा कि पेरिस में हुई सड़क दुर्घटना का उनके खेल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दुर्घटना में हालांकि उन्हें ज्यादा चोट नहीं लगी थी।''

हीरो वुमेंस इंडियन ओपन में खेल रही दीक्षा ने कहा, '' इस कोर्स पर अच्छा करने का मंत्र है कि आप अपने हर शॉर्ट का आनंद उठाओ। मैं अपने खेल में सुधार करने पर काम कर रही हूं और अपनी लय से खुश हूं। मैं इस बार अपने से कोई उम्मीद रखे बिना बस अपने खेल का आनंद उठाना चाहती हूं।'' पिछले सत्र में तीसरे स्थान पर रही दीक्षा ने कहा, '' मैं पिछले साल के प्रदर्शन से सकारात्मक सीख ले रही हूं। यहां मैदान पर गेंद की गति काफी ज्यादा हैं, मैं ताइवान में खेल कर आयी हूं, यहां गति बहुत कम थी। ऐसे में यहां तालमेल बिठाने के लिए थोड़ा परिश्रम करना होगा। यह मानसिक पहलू के बारे में ज्यादा है।'' गौरतलब है कि हीरो वुमेंस इंडियन ओपन में दुनिया भर से 114 महिला गोल्फ खिलाड़ी भाग ले रही है।

हरभजन बोले, धोनी उपलब्ध रहे तो जरुर रिटेन करेगी सीएसके

मुम्बई।
2025 आईपीएल सत्र को लेकर सभी टीम अभी से अपनी योजनाएं बनाने लगी हैं। इसमें शामिल सभी फ्रैंचाइजियों के एक तय समय के अंदर उन खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है जिन्हें वह रिटेन करेंगी। इसके अलावा किन खिलाड़ियों को मेगा नीलामी के लिए रिलीज किया जाएगा ये भी तय करना होगा। वहीं एक ओर जहां दिग्गज खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने को लेकर संशय जाहिर किया जा रहा है। वहीं पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम इस बार भी धोनी को अपने पास बनाये रखेगी। हरभजन ने धोनी के आईपीएल भविष्य पर अनिश्चितता व्यक्त की पर कहा कि अगर वह उपलब्ध रहते हैं तो वह सीएसके की पहली पसंद होंगे। हरभजन ने मेगा नीलामी 2025 से पहले धोनी के अलावा सीएसके टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को भी रिटेन किये जाने की उम्मीद जतायी है।

गौरतलब है कि नये नियमों के तहत आईपीएल फ्रेंचाइजी अपनी टीम के कुल 6 खिलाड़ियों को बरकरार रख सकती हैं। छह रिटेंशन/आरटीएम में अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय और विदेशी) और अधिकतम 2 अनकैप्ड खिलाड़ी हो सकते हैं। वहीं हरभजन ने कहा कि मुझे धोनी के खेलने का भरोसा नहीं है पर अगर वह उपलब्ध हैं, तो वह निश्चित रूप से टीम की पहली पसंद होंगे, भले ही उन्हें इस सत्र में अनकैप्ड खिलाड़ी माना जाए पर इसके बाद, अगली पसंद रवींद्र जड़ेजा और फिर रचिन रवींद्र होंगे। जहां तक कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी बरकरार रखे जाएंगे।

रुतुराज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 सीजन में 1 शतक और चार अर्द्धशतक सहित 583 रन बनाए थे। वहीं जडेजा और पथिराना ने फ्रेंचाइजी के लिए काफी विकेट लिए थे। हरभजन ने कहा कि मेरा मानना है कि इन चार खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। उनके अलावा, हम पथिराना को भी टीम में रख सकते हैं, जो एक उत्कृष्ट गेंदबाज हैं। मेरे विचार में धोनी, जड़ेजा, रचिन , रुतुराज और पथिराना को रिटेन किया जाएगा। आईपीएल 2025 के लिए फ्रेंचाइजी के लिए नीलामी राशि 120 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है।

पेरिस मास्टर्स नहीं खेल रहे जोकोविच

पेरिस । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच इस बार पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट नहीं खेल रहे हैं। जोकोविच के नहीं खेलने के कारणों की जानकारी नहीं है। वहीं आयोजकों ने भी कहा है कि जोकोविच ने अपना नाम वापस ले लिया है पर उसके पीछे के कारण नहीं बताये हैं। जोकोविच ने पिछले सप्ताह 'सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूर्नामेंट में भाग लिया था। सबसे लंबे समय तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे इस सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे उन प्रशंसकों के लिए दुख है जो मुझे वहां खेलते हुए देखना चाहते थे। वहां सात खिताब जीतने के दौरान पेरिस में मेरी कई अच्छी यादें हैं और उम्मीद है कि

अगले साल में वहां वापसी करुंगा। जोकोविच ने पेरिस इनडोर टूर्नामेंट में रिकॉर्ड सात खिताब जीते हैं। उनके इसमें नहीं खेलने से साल के अंत में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए उनके क्वालीफाई करने की संभावनाओं भी कम हुई हैं। एटीपी फाइनल्स में शीर्ष आठ खिलाड़ी शामिल होंगे। जोकोविच अभी एटीपी फाइनल्स की दौड़ में छठे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं जैनिक सिनर, कार्लोस अलकराज, अलेक्जेंडर ज्वेरेव और डेनियल मेदवेदेव ने 10 से 17 नवंबर तक होने वाली एटीपी फाइनल्स के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया था।

पुरातन और नूतनता का अद्भुत मिश्रण है

कोटा शहर

कोटा शहर ने अपने-आपको इतिहास की किताबों तक ही सीमित नहीं करके इक्कीसवीं सदी में भी पहचान बनाई है। यहां के किले और महल बीते हुए समय की याद दिलाते हैं, लेकिन अब कोटा ने अपनी छवि राजस्थान के औद्योगिक केन्द्र के रूप में बना ली है। कोटा पुरातन और नूतनता का अद्भुत मिश्रण है।

पर्यटन आकर्षण केन्द्र यहां के गढ़ और विशाल नदी चम्बल हैं। चम्बल राजस्थान की एक मात्र बारह-मासी नदी है। कोटा का निर्माण मध्य 13वीं सदी में जैत सिंह द्वारा हुआ था। कोटा शुरुआत में बूंदी का अंग था परन्तु देखते ही देखते पृथक, ज्यादा विशाल, ताकतवर और समृद्ध बन गया। किवंदती के अनुसार यहीं का मूल निवासी कोटिया नामक मुखिया था जिसे युद्ध में वीरगति प्राप्त हुई। उसके शरीर के अवशेषों पर गढ़ की स्थापना की गई। यह स्थल आज सैलार गाजी दरवाजा के नाम से जाना जाता है। पहले ऐतिहासिक इमारतों पर ध्यान डालें। गढ़-महल कोटा के केंद्र में स्थित है यहां संग्रहालय और चित्रकला युक्त कुछ कक्ष हैं।

यहां और भी शानदार इमारतें हैं कुछ शुरुआती समय की और कुछ बीसवीं सदी के शुरुआत की। इनमें प्रमुख है- जगमंदिर, उम्मेद भवन पैलेस और बृजराज भवन, किशोर सागर तालाब, छत्र विलास गार्डन, चम्बल गार्डन, क्षार-बाग जहां राजवंश की छतरियां हैं और बृज विलास पैलेस जहां राजकीय संग्रहालय स्थित है।

यह तो हुआ ऐतिहासिक कोटा का परिचय, आगे देखें तो पायेंगे उद्योग, आणविक और गैस आणविक ऊर्जा संयंत्र और शिक्षण संस्थान। कोटा में कुछ बेहतरीन प्रशिक्षण (कोचिंग) केंद्र हैं जहां देश भर से आए लाखों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का प्रशिक्षण लेते हैं।

कोटा से कुछ ही दूर चलें तो कई ऐतिहासिक स्थल हैं। बाड़ौली (48 किलोमीटर) में प्राचीन मंदिर है, गेपरनाथ (22 किलोमीटर), उदयपुरिया

(25 किलोमीटर) जहां पैंटिड स्टोर्क पक्षी हैं, केशवरायपाटन (22 किलोमीटर) और गराड़िया महादेव (20 किलोमीटर) में सुंदर मंदिर हैं। बाड़ोली (45 किलोमीटर) मंदिर समूह एक सुरक्षित स्थल है और यहां का सबसे पुराना मंदिर नौवीं सदी का है।

अगर आपकी रूचि वन्य जीवों में है तो आप कोटा से 50 किलोमीटर दक्षिण पधारें। वाहन से आप पहाड़ी वन क्षेत्र- दरा अभ्यारण्य को अवलोकन कर सकते हैं। मुकन्दरा पहाड़ियों में स्थित, यह अभ्यारण्य कभी कोटा राजघराने का आरक्षित शिकार स्थल था और फिर आजाद भारत में पहले बने अभ्यारण्यों में गिना जाता है। यह 213 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है और यहां तेंदुआ, भालू, सांभर, जरख, जंगली बिलाव और अन्य प्रजातियों के जानवर पाये जाते हैं। यहां कई नस्लों और प्रजातियों के स्थानीय और प्रवासी पक्षी पाए जाते हैं। यह राजस्थान के सर्वाधिक संरक्षित क्षेत्रों में से एक है, जिसके भ्रमण के बिना आप की राजस्थान यात्रा अधूरी है।

कोटा में अनेक उद्योगों, शिक्षण संस्थाओं और फौजी मुख्यालय के कारण यहां भारतीय भोजन-आहार की सहज सुविधा है। स्थानीय पसंदीदा नमकीन- कचौरी गुमानपुरा और नयापुरा इलाकों में सहज उपलब्ध है।

यहां कई बढ़िया आधुनिक होटल हैं, साथ ही दो महल जोकि अब हैरिटेज होटल में परिवर्तित हो चुके हैं, भी निवास हेतु उपलब्ध हैं। कुछ पुरानी हवेलियां भी हैं जो पारिवारिक प्रबंधन से चल रही हैं। इनमें ठहरना भी एक आनंददायक अनुभव है।

यहां खरीददारी के लिए स्थानीय हस्तकला के बेहतर विकल्प उपलब्ध हैं, पर एक विशेष कला-उद्योग है जिसकी कद्र परिधान विशेषज्ञ और परिधान शौकीन दोनों ही करते हैं- कोटा डोरिया। यह मशहूर वस्त्र पड़ोस के गांव कैथून में बहुतायत से बनाया जाता है, जिसके निर्माण में हथकरघा और मशीन करघा दोनों का उपयोग किया जाता है। आप यहां अपने लिए या तोहफे में देने के लिए कोटा डोरिया साड़िया, कुर्ते, कपड़ों के थान या कटपीस खरीद सकते हैं

इनको ड्रायर में सुखाना हो सकता है नुकसानदेह

सर्दियों में गीली चीजें सूखने में काफी वक्त लेती हैं। ऐसे में हम चीजों को जल्दी सुखाने के लिए उन्हें वॉशिंग मशीन के ड्रायर में डाल देते हैं। ऐसा हम सभी अपने घरों में करते हैं। ड्रायर में डालने के साथ ही चीजों का अतिरिक्त पानी सूख जाता है, जिससे सिर्फ हल्की नमी रह जाती है। यह नमी भी हल्की धूप लगने या हवा लगने से कुछ देर में ही दूर हो जाती है। ऐसे में हममें से ज्यादातर लोगों को लगता है कि हर चीज को ड्रायर में डाला जा सकता है लेकिन ऐसा नहीं है। बहुत सी ऐसी चीजें हैं जिन्हें ड्रायर में सुखाने से वे जल्दी खराब हो जाती है। आइए, जानते हैं ऐसी कौन सी चीजें हैं जिन्हें ड्रायर में नहीं धोना चाहिए-

1. बाथिंग सूट

बाथिंग सूट को ड्रायर में सुखाने से बचना चाहिए। ये कपड़े रोएंदार होते हैं और काफी मुलायम होते हैं। ऐसे में इन्हें ड्रायर में सुखाने पर इनकी बनावट खराब हो जाती है और इनकी फिटिंग भी बिगड़ जाती है।

2. जींस

जींस को भी ड्रायर में डालकर नहीं सुखाना चाहिए। ड्रायर डेनिम को पूरी तरह से खराब कर देता है। ड्रायर में जींस को सुखाने से उनका लचीलापन खो जाता है। डेनिम को न तो मशीन में धोना चाहिए और न ही ड्रायर में सुखाना चाहिए।

3. चमकीले कपड़े

हर लड़की को चमकीले और शिमर वाले कपड़े पहनना अच्छा लगता है लेकिन इन कपड़ों को काफी देखभाल की जरूरत होती है। एक छोटी सी गलती भी इन कपड़ों की खूबसूरती को बिगाड़ सकती है। ऐसें में इन ड्रेसेज को ड्रायर में न ही डालें।

4. मोजे

सर्दियों में तो ज्यादातर घरों में मोजे ड्रायर में ही डालकर सुखाए जाते हैं। ड्रायर में मोजे सुखाने पर उनका बैंड ढीला पड़ जाता है। अगर आपके पास मोजों को हाथ से धोने का समय नहीं है तो मैश बैग का इस्तेमाल करना आपके लिए सही रहेगा।

5. तौलिए

नहाने के बाद हम सभी को तौलिए की जरूरत पड़ती है। तौलिए से ही हम चेहरा भी पोछते हैं, ऐसे में तौलिए का मुलायम होना जरूरी है। वरना रैशेज आ सकते हैं।

फेंगशुई : भाग्योदय में सहायक है मिस्टिक नॉट

यदि आप घर या दफ्तर में आठ लूप की मिस्टिक नॉट का इस्तेमाल करते हैं तो यह आपकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। वैसे फेंगशुई की मान्यता में इसका एक अर्थ जीवन के अस्तित्व से भी है।

यह आध्यात्मिक पहलू कभी प्रकट करती है। आप इस नॉट को लाल रंग के रिबन से ही बनाएं। लाल रंग समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का परिचायक है। यदि आप इसे दूसरे फेंगशुई गैजेट्स के साथ इस्तेमाल करना चाहते हैं तो सिक्के अच्छा विकल्प हैं। इसके लिए सामान्य तौर पर तीन या पांच सिक्के इस्तेमाल किए जाते हैं। इसे रखने की जगह ऐसी होनी चाहिए, जिससे यह सभी आगंतुकों को नजर आए। यह प्रदर्शित करता है कि आप जीवन में कितने ऑर्गेनाइज्ड हैं।

इस गैजेट की नॉट को कभी खुला नहीं रखें।

यदि खुल भी जाए तो इसे तुरंत लगा दें। मिस्टिक नॉट भाग्यवर्धक फेंगशुई सिंबल है, ये परिवार में स्थित प्रेम, विश्वास और एकता का प्रतीक माना जाता है। मिस्टिक नॉट को लव नॉट भी कहते हैं।

क्या होता है असर

- मिस्टिक नॉट परिवार के सदस्यों के बीच एकता बनाए रखता है, ऐसी एकता जिसका न कोई तोड़ है और ना ही कोई अंत।
- मिस्टिक नॉट की मौजूदगी से परिवार में बंटवारे जैसी समस्या सामने नहीं आती, क्योंकि ये सिंबल परिवार के सभी सदस्यों को एक डोर में बांधे रखता है।
- मिस्टिक नॉट सिंबल के रहते किसी भी तरह की विघ्न-बाधा, रोग-पीड़ा घर में प्रवेश नहीं कर पाती।

कहां लगाएं?

- शादीशुदा जोड़े के बीच प्रेम बढ़ाना हो, तो मिस्टिक नॉट बेडरूम के दक्षिण-पश्चिम कोने में लगाएं. इससे उनके बीच सदैव ह्श्ययार बना रहता है।
- परिवार के सदस्यों के बीच अच्छा रिश्ता कायम रखने के लिए मिस्टिक नॉट सिम्बल लिविंग रूम के दक्षिण-पश्चिम कोने में लगाएं।
- बॉस और स्टाफ के बीच अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए मिस्टिक नॉट ऑफिस के दक्षिण-पश्चिम कोने में लगाएं।
- ऑफिस में लगा मिस्टिक नॉट स्टाफ की ईमानदारी और स्टाफ के प्रति बॉस की समझदारी का प्रतीक माना जाता है।

युवाओं के बीच महँगी घड़ियां बनीं स्टाइल स्टेटमेंट

एक समय था जब कलाई पर घड़ी सिर्फ समय देखने के लिए बांधी जाती थी। लोग इसकी लुक और स्टाइल पर कम ध्यान देते थे मगर अब ऐसा नहीं है। घड़ी अब एक स्टाइल स्टेटमेंट भी है। कपड़े, गहने के साथ-साथ घड़िया भी एक्सेसरीज है। घड़ी आपको ट्रेंडी और स्टाइलिश बनाती है। यह आपकी पूरी पर्सनैलिटी को बेहतर बना देती है। साथ में यह स्टेटस सिंबल भी बन गई है। महंगे कपड़े, महंगी जूलरी के साथ अगर कलाई पर ब्रांडेंड घड़ी न हो, तो व्यक्तित्व अधूरा लगता है।

कई लोग स्टाइल के हिसाब से घड़ी नहीं खरीदते बल्कि टिकाऊ घड़ी खरीदते हैं ताकि लम्बे समय तक चले। मगर अब युवा अपनी लुक और ट्रेंड के अनुसार घड़ी का चयन करते हैं। इसके लिए वह अच्छे पैसे भी खर्च करने के लिए तैयार रहते हैं। घड़ी का रंग और डायल के डिजाइन युवाओं को ज्यादा आकर्षित करते हैं। इसी कारण अब डिजाइनर घड़ियों में नित नए प्रयोग कर रहे हैं। विभिन्न रंग, अलग डिजाइन और तरह-तरह के स्ट्रेप्स युवाओं की पहली पसंद बन रही हैं। कपड़ों से मेल खाते रंग-बिरंगे स्ट्रेप्स और घड़ी के डायल के रंग के साथ युवा हर तरह के प्रयोग के लिए तैयार रहते हैं।

तरह-तरह के रंग, डिजाइन और फीचर वाली इन घडियों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। घड़ियों में टाइटन सबसे प्रसिद्ध नाम है। हर बार टाइटन ने समय के साथ बदलाव किए हैं। मैक्सिमा की घडियां भी सादगी के लिए लोकप्रिय हैं, साथ ही इनकी सस्ती कीमत भी लोगों को आकर्षित करती हैं। सिर्फ 500 रुपए खर्च कर युवा फाइबर और वाटर प्रूफ स्टाइलिश घड़ी का सपना पूरा कर सकते हैं। मैक्सिमा की ट्रेंडी घडियां आपको फैशनेबल लुक देती हैं।

वैसे तो टाइटन की बेहतरीन घडियां बाजार में अपनी पहचान बना चुकी हैं लेकिन महिलाओं की बात करें तो टाइटन रागा पहली पसंद बनी है। ऐसी युवतियां जिन्हें स्टाइलिश, मार्डन और स्लीक घड़ी की चाह है, वे टाइटन रागा का कलेक्शन देख सकती हैं। घड़ी का लुक चाहिए, ब्रेसलेट का लुक चाहिए या फिर कड़े का, हर डिजाइन में यह फिट है। इसे मानसून में भी पहना जा सकता है। इसका छोटा मगर दिल चुरा लेने वाला डायल किसी भी युवती को बेहद खास महसूस कराता है। टाइटन रागा की घड़ी किसी खास मौके पर भी पहनी जा सकती है। इसका जूलरी और ब्रेसलेट डिजाइन आभूषण की तरह लगता है। इसे पहनने के बाद किसी और आभूषण की जरूरत नहीं। इसी तरह टाइटन की राडो युवाओं में काफी लोकप्रिय है। इसका बेहतरीन एलिगेंट लुक युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। घड़ियों पर सोने और हीरे का प्रयोग इसे और भी आकर्षक बना देता है।

स्वॉच कंपनी की घड़ियां काफी फैशनेबल और कलात्मक डिजाइन वाली होती हैं। स्पोर्टी डिजाइन और एलिगेंट लुक वाली घड़ियां इनकी खासियत हैं। आयरोनी सीरिज, स्कूबा सीरिज और स्कीनी सीरीज में बेहद फैशनेबल और वाटरपूफ घड़ियां देखी जा सकती हैं। स्वॉच में इंटरनेट से जुड़ने वाली घड़ियां भी उपलब्ध हैं। इन घड़ियों में किसी भी रंग का चयन किया जा सकता है। जिन लोगों को कार्टून कैरेक्टर से ज्यादा लगाव है, उन्हें डिजनी कलेक्शन की घड़ियां पसंद आ सकती हैं। इस ब्रांड में बड़ों के साथ-साथ बच्चों के लिए भी काफी वैरायटी है।

तांबे के बर्तन से पिएंगे पानी तो

इन 10 बीमारियों से हमेशा रहेंगे दूर

आपने कई लोगों से सुना होगा कि तांबे का पानी पीने से स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसके पीछे की सच्चाई यह है कि तांबे के बर्तन में पानी रखने को लेकर साइंटिफ रीजन भी है। तांबे के बैक्टीरिया-नाशक गुणों में मेडिकल साइंस की ओर से पिछले कुछ वर्षों में कई प्रयोग हुए हैं और वैज्ञानिकों ने यह मालूम किया है कि पानी की अपनी याददाश्त होती है यह हर उस चीज को याद रखता है जिसको यह स्पर्श करता है।

ऐसा माना जाता है कि पानी की भी अपनी स्मरण-शक्ति होती है और किस बर्तन में कैसे फायदा मिल सकता है। आइए जानते हैं कि आखिर तांबे के बर्तन में पानी रखने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

तांबे से मिलने वाले फायदे

1. तांबे के बर्तन में रखा पानी पूरी तरह से शुद्ध माना जाता है। यह सभी प्रकार के बैक्टीरिया को खत्म कर देता है, जो डायरिया, पीलिया, डिसेंट्री और अन्य प्रकार की बीमारियों को पैदा करते हैं।

2. अगर आप पानी को रात भर या कम-से-कम चार घंटे तक तांबे के बर्तन में रखें तो यह तांबे के कुछ गुण अपने में समा लेता है।

3. तांबा यानि कॉपर, सीधे तौर पर आपके शरीर में कॉपर की कमी को पूरा करता है और बीमारी पैदा करने वाले जीवाणुओं से आपकी रक्षा कर आपको पूरी तरह से स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होता है।

4. तांबे में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होने के कारण शरीर में दर्द, ऐंठन और सूजन की समस्या नहीं होती। ऑर्थराइटिस की समस्या से निपटने में भी तांबे का पानी अत्यधिक फायदेमंद होता है।

5. इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट कैंसर से लढ़ने की क्षमता में वृद्धि करते हैं। अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार तांबे कैंसर की शुरुआत को रोकने में मदद करता है और इसमें कैंसर विरोधी तत्व मौजूद होते है।

6. पेट की सभी प्रकार की समस्याओं में तांबे का पानी बेहद फायदेमंद होता है। प्रतिदिन इसका प्रयोग करने से पेट दर्द, गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी परेशानियों से निजात मिल सकती है।

7. शरीर की आंतरिक सफाई के लिए तांबे का पानी कारगर होता है। इसके अलावा यह लिवर और किडनी को स्वस्थ रखता है और किसी भी प्रकार के इंफेक्शन से निपटने में तांबे के बर्तन में रखा पानी लाभप्रद होता है।

8. तांबा अपने एंटी-बैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटी इंफ्लेमेट्री गुणों के लिए भी जाना जाता है। यह शरीर के आंतरिक व बाह्य घावों को जल्दी भरने के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है।

9. तांबे में भरपूर मात्रा में मौजूद मिनरल्स थॉयराइड की समस्या को दूर करने में सहायक होते हैं। थॉयराइड ग्रंथि? के सही क्रियान्वयन के लिए तांबा बेहद उपयोगी है।

10. तांबे में उपस्थित एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व असमय बढ़ती उम्र के निशान को कम कर आपको जवां बनाए रखता है। इसके अलावा यह फ्री रैडिकल में भी लाभदायक है, जो त्वचा को झुर्रियों, बारीक लाइनों और दाग-धब्बों से बचाकर स्वस्थ और जवां बनाए रखता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054** (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**